उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

विज्ञापन संख्या
ए-10/ई-1/2023
दिनांक 21.12.2023

उ0प्र0 प्राविधिक शिक्षा (अध्यापन/प्रशिक्षण) सेवा परीक्षा–2023

ऑनलाइन आवेदन प्रारम्भ होने की तिथि : 21.12.2023

ऑनलाइन परीक्षा शुल्क बैंक में जमा करने की अन्तिम तिथि : 18.01.2024

ऑनलाइन आवेदन स्वीकार (Submit) किये जाने की अन्तिम तिथि : 22.01.2024

ऑनलाइन सबमिट आवेदन में सुधार/संशोधन की अन्तिम तिथि : 29.01.2024

महत्वपूर्ण

(1) (i) ऑनलाइन आवेदन करने से पूर्व अभ्यर्थियों को O.T.R. पंजीकरण (O.T.R. Registration) कर O.T.R. नम्बर प्राप्त करना अनिवार्य है।
(ii) ओ0टी0आर0 नम्बर के बिना ऑनलाइन आवेदन सबमिट किया जाना सम्भव नहीं है।
(iii) ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने ओ0टी0आर0 नम्बर प्राप्त नहीं किया है वे ऑनलाइन आवेदन करने के 72 घण्टे पूर्व आयोग की वेबसाइट https://otr.paiksha.nic.in से ओ0टी0आर0 नम्बर प्राप्त कर लें।
(iv) ओ0टी0आर0 नम्बर प्राप्त करने के उपरान्त ही आयोग की वेबसाइट https://uppsc.up.nic.in पर ऑनलाइन आवेदन सबमिट किया जा सकता है।

(2) अपूर्ण ऑन–लाइन आवेदन–पत्र निरस्त कर दिये जायेंगे और इस सम्बन्ध में कोई भी प्रत्यावेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा।

(3) किसी भी स्तर पर परीक्षणोपरांत यदि यह तथ्य प्रकाश में आता है कि अभ्यर्थी द्वारा कोई सूचना छिपाई गई है अथवा गलत भरी गई है, तो उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा तथा आगामी परीक्षाओं/चयनों से उसे डिबार किये जाने की कार्यवाही की जायेगी।

(4) अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे ऑनलाइन आवदेन करते समय सभी चरणों (यथा–O.T.R., फीस भुगतान, फाइनल सबमिशन, अर्हता से सम्बन्धित संशोधन/त्रुटि सुधार इत्यादि) की सूचनाएं साफ्ट व हार्ड कापी के रूप में भविष्य हेतु संरक्षित करना सुनिश्चित करें।

(5) अभ्यर्थियों को यह स्पष्ट किया जाता है कि परीक्षा के प्रथम चरण के स्तर पर वे अपने अभिलेख एवं ऑनलाइन आवेदन सम्बन्धी हार्ड कापी आयोग को प्रेषित न करें।

(6) अभ्यर्थियों को अपने ऑन–लाइन आवेदन की हार्ड–कॉपी के साथ ऑन–लाइन आवेदन में किये गये समस्त दावों के समर्थन में समस्त प्रमाण पत्रों की स्व–प्रमाणित प्रतियां आयोग के निर्देशानुसार यथा समय संलग्न कर प्रस्तुत करना होगा। इस सम्बन्ध में आयोग द्वारा पृथक से प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित किया जायेगा।

विशेष सूचना :– (क) आवेदन 'Submit' करने का सम्पूर्ण दायित्व अभ्यर्थी का होगा। बैंक में शुल्क जमा करने की अन्तिम तिथि तक शुल्क जमा करने के बाद ही आवेदन पत्र स्वीकार किया जायेगा। **(ख)** O.T.R. के साथ रजिस्टर्ड मोबाइल नम्बर और e-mail ID पर भविष्य में सभी सूचनायें/निर्देश एसएमएस द्वारा अथवा e-mail पर प्रेषित किये जायेंगे। अभ्यर्थियों को यह भी निर्देशित किया जाता है कि वे आयोग की वेबसाइट का अनवरत अवलोकन करते रहेंगे।

ऑन लाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के लिये आवश्यक सूचना

यह विज्ञापन आयोग की **Website https://uppsc.up.nic.in** पर भी उपलब्ध है। इस विज्ञापन में आवेदन करने हेतु **O.T.R.** धारित **APPLICATION System** लागू है। अन्य किसी माध्यम से प्रेषित आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे। अतएव अभ्यर्थी ऑन–लाइन आवेदन ही करें।

ऑन–लाइन आवेदन करने के सम्बन्ध में अभ्यर्थियों से अपेक्षित है कि वे निम्नलिखित निर्देशों को भली–भाँति समझ लें और तद्नुसार आवेदन करें:–

1- आयोग की वेबसाइट **https://uppsc.up.nic.in** पर "ALL NOTIFICATIONS / ADVERTISEMENTS" अभ्यर्थी द्वारा Click करने पर 'ON-LINE ADVERTISEMENTS' स्वतः प्रदर्शित होंगे, जिसमें निम्नलिखित तीन भाग हैं:–

(i) User Instructions
(ii) View Advertisement
(iii) Apply

User Instructions में अभ्यर्थियों को ऑन–लाइन फार्म भरने से सम्बन्धित दिशा–निर्देश दिये गये हैं। अभ्यर्थी इनमें से जिस विज्ञापन को देखना चाहें, उसके सामने "View Advertisement" को Click करें। ऐसा करने पर पूरे विज्ञापन के साथ ऑन–लाइन आवेदन की प्रक्रिया से सम्बन्धित Sample Snapshots भी प्रदर्शित होंगे।

'आन–लाइन आवेदन' करने का कार्य निम्नांकित चार स्तरों पर किया जायेगा :–

प्रथम चरण– 'APPLY' Click करने पर परीक्षा के सापेक्ष 'Authenticate with O.T.R.' प्रदर्शित होगा तथा 'Authenticate with O.T.R.' पर Click करने के उपरान्त 'Have You Completed your O.T.R. Registration' प्रदर्शित होगा, जिसमें अभ्यर्थी को 'Yes' अथवा 'No' पर Tick करना होगा। अभ्यर्थी यदि:–

(i) **'Yes'** पर Tick करने के पश्चात् 'Go' बटन पर Click करता है तो 'Enter your O.T.R. Number' प्रदर्शित होगा जिसमें उसे 'O.T.R. Number' भरकर 'Proceed' बटन पर Click करना होगा। 'Proceed' बटन पर Click करने के पश्चात् 'Click here to Authenticate' प्रदर्शित होगा, जिस पर Click करके अभ्यर्थी प्राप्त O.T.P. (रजिस्टर्ड मोबाइल नं0/ई–मेल पर) अथवा O.T.R. पासवर्ड के माध्यम से Authenticate कर सकते हैं। Authentication की प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात् अभ्यर्थी की समस्त व्यक्तिगत सूचनायें (जैसा कि O.T.R. में भरी गयी हैं) स्वतः प्रदर्शित होंगी। अभ्यर्थी को केवल आवेदित पदों के लिए अपेक्षित अनिवार्य अर्हता ही भरनी होगी। (ii) **'No'** पर Tick करने के पश्चात् 'Go' बटन पर Click करता है तो :– a. सर्वप्रथम आवेदक को आयोग के ओ.टी.आर. वेब पोर्टल **https://otr.pariksha.nic.in** से एकल अवसरीय पंजीकरण संख्या (ओ.टी.आर. नम्बर) प्राप्त करना होगा। b. ओ.टी.आर. नम्बर प्राप्त करने के पश्चात् प्रथम चरण में वर्णित प्रक्रियानुसार अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

द्वितीय चरण– प्रथम चरण की प्रक्रिया पूरी करने के पश्चात् स्क्रीन पर 'Applicant Dashboard' स्वतः प्रदर्शित होगा। अभ्यर्थी को सम्बन्धित आवेदित पद के सापेक्ष 'Application Part-2' के अन्तर्गत 'Submit Details' पर क्लिक करना होगा जिसके पश्चात् स्क्रीन पर अभ्यर्थी का आवेदन पत्र सहित स्थायी एवं पत्र व्यवहार का पता OTR से स्वतः प्रदर्शित होगा एवं साथ ही पद से सम्बन्धित अधिमानी अर्हतायें भी प्रदर्शित होंगी। अभ्यर्थी को विज्ञापित पद के लिए निर्धारित की गयी अधिमानी अर्हताओं के सम्मुख कालम में Yes या No का चुनाव करना होगा।

तृतीय चरण– द्वितीय चरण की प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात् 'Fee Confirmation Window' स्क्रीन पर स्वतः प्रदर्शित होगी जिसके अन्तर्गत 'Proceed for fee payment' के सम्मुख 'Yes' विकल्प पर क्लिक करने के पश्चात 'SBI MOPS' का 'Home page' प्रदर्शित होगा जिस पर भुगतान के तीन माध्यम (Mode) प्रदर्शित होंगे:–

(i) NET BANKING (ii) CARD PAYMENTS (iii) OTHER PAYMENT MODES. उक्त माध्यमों में से किसी एक माध्यम द्वारा निर्धारित शुल्क जमा करने के पश्चात् 'Payment Transaction Slip' प्रदर्शित होगी जिसमें शुल्क जमा करने का पूरा विवरण अंकित रहेगा, इसका प्रिन्ट **'प्रिन्टर आइकन'** पर क्लिक करके प्राप्त कर लें। 'Payment Failed' होने की स्थिति में अभ्यर्थी 'Candidate Dashboard Login' में जाकर O.T.R. नम्बर भरने के उपरान्त O.T.P. अथवा O.T.R. Password के माध्यम से authenticate **और** 'Pending Payment' पर Click कर ऑनलाइन आवेदन हेतु अनिवार्य रूप से शुल्क भुगतान करें।

चतुर्थ चरण– तृतीय चरण की प्रक्रिया पूर्ण करने के पश्चात् स्क्रीन पर अभ्यर्थी का आवेदन पत्र स्वतः प्रदर्शित होगा जिसका प्रिन्ट अभ्यर्थी प्राप्त कर सकता है। यदि अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी नहीं की जाती है तो उसका अभ्यर्थन स्वीकार नहीं किया जायेगा एवं सम्पूर्ण दायित्व अभ्यर्थी का होगा। अभ्यर्थी को ऑनलाइन आवेदन का प्रिन्ट लेकर इसे अपने पास सुरक्षित रखना होगा। किसी विसंगति की दशा में उक्त प्रिन्ट आयोग कार्यालय में अभ्यर्थी को प्रस्तुत करना होगा अन्यथा अभ्यर्थी का अनुरोध/दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा। आवेदनोपरान्त अर्हता में कोई त्रुटि प्राप्त होने की स्थिति में अभ्यर्थी 'Home Page' के 'Candidate Dashboard Login' पर Click कर आवेदित पद की अर्हता में संशोधन करने हेतु निर्धारित अन्तिम तिथि तक केवल एक बार त्रुटि सुधार कर सकते हैं।

2- **आवेदन शुल्क :** ऑन लाइन आवेदन की प्रक्रिया में प्रथम एवं द्वितीय चरण की कार्यवाही पूर्ण करने के पश्चात् तृतीय चरण में दिये गये निर्देशों के अनुसार श्रेणीवार परीक्षा शुल्क जमा करें। परीक्षा हेतु श्रेणीवार निर्धारित शुल्क निम्नानुसार है :–

(i)	अनारक्षित/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/अन्य पिछड़ा वर्ग	– परीक्षा शुल्क रु0 200/- + ऑनलाइन प्रक्रिया शुल्क रु0 25/– योग = रु0 225/–
(ii)	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति	– परीक्षा शुल्क रु0 80/- + ऑनलाइन प्रक्रिया शुल्क रु0 25/– योग = रु0 105/–
(iii)	दिव्यांगजन	– परीक्षा शुल्क NIL + ऑनलाइन प्रक्रिया शुल्क रु0 25/– योग = रु0 25/–
(iv)	भूतपूर्व सैनिक	– परीक्षा शुल्क रु0 80/– + ऑनलाइन प्रक्रिया शुल्क रु0 25/– योग = रु0 105/–
(v)	स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित/महिला/कुशल खिलाड़ी	– अपनी मूल श्रेणी के अनुसार

3. अभ्यर्थी द्वारा आवेदन में किया गया दावा सत्य नहीं पाये जाने पर अभ्यर्थी को आयोग के समस्त चयनों/परीक्षाओं से डिबार करने की कार्यवाही तथा अन्य दण्डात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

नोट:– निर्धारित अंतिम तिथि व समय तक अभ्यर्थी द्वारा 'ON-LINE APPLICATION' प्रक्रिया में Payment करना अनिवार्य है। अभ्यर्थी उसका प्रिन्ट आउट प्राप्त कर लें और उसे सुरक्षित रखें।

4. उ0प्र0 लोक सेवा आयोग उपयुक्त अभ्यर्थियों का चयन करने हेतु इस विज्ञापन के परिशिष्ट–1 में उल्लिखित जिलों के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर एक लिखित परीक्षा का आयोजन करेंगे। साक्षात्कार हेतु केवल उन अभ्यर्थियों को आहूत किया जायेगा जो लिखित परीक्षा के आधार पर सफल घोषित होंगे। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड (समूह ''क'' और ''ख'') सेवा (द्वितीय संशोधन) विनियमावली, 2021 के नियम–15(4) के प्राविधानानुसार चयन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के योग के आधार पर होगा। आयोग द्वारा अभ्यर्थियों को परीक्षा की तिथि तथा केन्द्र की सूचना ई–प्रवेश पत्र के माध्यम से दी जायेगी। अंतिम रूप से प्राप्त आवेदन पत्रों की संख्या एवं आयोग के निर्णयानुसार जिला/केन्द्रों की संख्या घटाई/बढ़ाई जा सकती है।

5. रिक्तियों की संख्या:– वर्तमान में भर्ती हेतु रिक्तियों की कुल संख्या **45** है। प्रश्नगत् परीक्षा में सम्मिलित किये जाने वाले पदों का विवरण निम्नवत् है:–

क्र. सं.	विभाग का नाम	पदों का विवरण		
		क्र.सं.	पद का नाम	रिक्तियों की संख्या
1	उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड	1	प्रशिक्षक (बांस और बेंत)	01
		2	प्रशिक्षक (मधुमक्खी पालन)	07
		3	प्रशिक्षक (कुम्हारी)	02
		4	प्रशिक्षक (हस्तनिर्मित कागज)	01
		5	प्रशिक्षक (खाद्य संरक्षण)	02
		6	प्रशिक्षक (रेशा)	03
		7	प्रशिक्षक (ग्रामीण तेल)	06
		8	प्रशिक्षक (अनाज, फसल और दाल प्रसंस्करण)	03
		9	प्रशिक्षक (खादी)	06
		10	प्रशिक्षक (कम्बल)	01
		11	प्रशिक्षक (अखाद्य तेल एवं साबुन)	06
		12	प्रशिक्षक (माचिस एवं अगरबत्ती)	03
		13	प्रशिक्षक (लोहारी/बढ़ईगीरी)	03
		14	प्रशिक्षक (चर्म)	01

नोट:– परिस्थितियों एवं आवश्यकतानुसार रिक्तियों की संख्या **घट–बढ़** सकती है।

वेतनमान:– ₹ 44900–142400 (लेवल–7)

6. आरक्षण: उ0प्र0 की अनुसूचित जातियों/उ0प्र0 की अनुसूचित जनजातियों/उ0प्र0 के अन्य पिछड़े वर्गों/उ0प्र0 के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के अभ्यर्थियों के लिये आरक्षण विद्यमान शासकीय नियमों के अनुसार दिया जायेगा। इसी प्रकार क्षैतिज आरक्षण के अन्तर्गत आने वाली श्रेणियों यथा–उ0प्र0 के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित/महिला अभ्यर्थी/उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व सैनिकों/उ0प्र0 के समाज के दिव्यांग अभ्यर्थियों/उ0प्र0 के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को भी विद्यमान शासकीय नियमों के अनुसार रिक्तियां बनने पर आरक्षण अनुमन्य होगा। उ0प्र0 के समाज के दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिये शासन द्वारा अधिसूचित (चिन्हित) किये गये पदों पर रिक्तियां बनने पर आरक्षण अनुमन्य होगा।

नोट:– (1) उ0प्र0 के समाज के दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए शासन द्वारा अधिसूचित (चिन्हित) किये गये पदों पर चयन के संबंध में जारी कार्यालय ज्ञाप सं0–5/2022/18/1/2008/47/का–2/2022, दिनांक 18 अप्रैल, 2022 के बिंदु–5 (अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति) में प्राविधान निम्नानुसार किया गया है– दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए उपयुक्त चिन्हित किये गये पदों में दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्ति को किसी अनारक्षित रिक्ति पर नियुक्ति के लिये प्रतिस्पर्धा करने से मना नहीं किया जा सकता है अर्थात् दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्ति को किसी अनारक्षित रिक्ति पर नियुक्त किया जा सकता है बशर्ते की पद संगत श्रेणी की दिव्यांगता से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए चिन्हित किया गया हो।

(2) शासनादेश संख्या–39 रिट/का–2/2019, दिनांक 26 जून, 2019 द्वारा शासनादेश संख्या–18/1/99/का–2/2006, दिनांक 9 जनवरी, 2007 के प्रस्तर–4 में दिये गये प्राविधान, 'यह भी स्पष्ट किया जाता है कि राज्याधीन लोक सेवाओं और पदों पर सीधी भर्ती के प्रक्रम पर महिलाओं को अनुमन्य उपरोक्त आरक्षण केवल उत्तर प्रदेश की मूल निवासी महिलाओं को ही अनुमन्य है', को रिट याचिका संख्या–11039/2018 विपिन कुमार मौर्या व अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य तथा सम्बद्ध 6 अन्य रिट याचिकाओं में मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा दिनांक 16.01.2019 को अधिकारातीत (ULTRA VIRES) घोषित करने संबंधी निर्णय के अनुपालन में शासनादेश दिनांक 09.01.2007 से प्रस्तर–04 को विलोपित किये जाने का निर्णय लिया गया है। उक्त निर्णय शासन द्वारा मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 16.01.2019 के विरूद्ध दायर विशेष अपील (डी) संख्या–475/2019 में मा0 न्यायालय द्वारा पारित होने वाले अंतिम निर्णय के अधीन होगा।

(3) किसी भी आरक्षित श्रेणी में आने वाले अभ्यर्थी, यदि वे आरक्षण का लाभ चाहते हैं, तो **O.T.R.** के संबंधित स्तम्भ में अपनी श्रेणी/उप श्रेणी (एक या एक से अधिक, जो भी हो) अवश्य अंकित करें क्योंकि समस्त व्यक्तिगत सूचनाएँ **O.T.R.** से स्वतः आवेदन पत्र में प्रदर्शित होंगी।

(4) आरक्षण/आयु मे छूट का लाभ चाहने वाले अभ्यर्थी संबंधित आरक्षित श्रेणी के समर्थन में इस विस्तृत विज्ञापन के परिशिष्ट–2 पर उपलब्ध निर्धारित प्रारूप पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्राप्त कर लें एवं जब उनसे अपेक्षा की जाये तब वे उसे आयोग को प्रस्तुत करें। **(5)** उ0प्र0 के आरक्षित श्रेणी के सभी अभ्यर्थी आवेदन में अपनी श्रेणी/उप श्रेणी अवश्य अंकित करें। **(6)** एक से अधिक आरक्षित श्रेणी/आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले अभ्यर्थियों को केवल एक छूट, जो अधिक लाभकारी होगी दी जायेगी। **(7)** अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित, दिव्यांगजन, उत्कृष्ट खिलाड़ी, कुशल खिलाड़ी तथा भूतपूर्व सैनिक अभ्यर्थियों को, जो उत्तर प्रदेश राज्य के मूल निवासी नहीं हैं, उन्हें आरक्षण/आयु में छूट का लाभ अनुमन्य नहीं है। **(8)** महिला अभ्यर्थियों के मामले में पिता पक्ष से निर्गत जाति प्रमाण–पत्र ही मान्य होंगे। **(9)** अभ्यर्थियों द्वारा अपने आवेदन में पात्रता तथा आरक्षण का लाभ प्राप्त करने हेतु जिस श्रेणी/उप श्रेणी का दावा किया गया है उसके समर्थन में समस्त वांछित प्रमाण–पत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियां आवेदन पत्र के साथ मांगे जाने पर संलग्न किया जाना अनिवार्य है अन्यथा उनका दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

7. आपात कमीशन प्राप्त/अल्पकालिक कमीशन प्राप्त अधिकारियों की पात्रता शर्तें (केवल आयु में छूट हेतु):– आपात कमीशन प्राप्त/अल्पकालिक कमीशन प्राप्त अधिकारी, जो सेना से अवमुक्त नहीं हुये हैं किन्तु जिनकी सैन्य सेवा में वृद्धि पुनर्वास के लिये की गयी है, भी इस परीक्षा के लिये शासनादेश संख्या–22/10/1976–कार्मिक–2–85, दिनांक 30 जनवरी, 1985 के अनुसार निम्नलिखित शर्तों पर आवेदन कर सकते हैं:– **(अ)** ऐसे आवेदकों को थल सेना/नौ सेना/वायु सेना के सक्षम अधिकारी द्वारा जारी इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा कि उनकी सेवा में वृद्धि पुनर्वास के लिये की गयी है और उनके विरूद्ध कोई अनुशासनात्मक कार्यवाही लंबित नहीं है। **(ब)** ऐसे आवेदकों को यथा समय यह लिखित अण्डरटेकिंग प्रस्तुत करनी होगी कि आवेदित पद के लिये चुन लिये जाने पर वे अपने को सैन्य सेवा से तत्काल अवमुक्त करा लेंगे। आपात/अल्पकालिक कमीशन प्राप्त अधिकारी को यह सुविधा अनुमन्य नहीं होगी, यदि **(क)** उसे सेना में स्थाई कमीशन प्राप्त हो गया हो। **(ख)** वह त्याग पत्र देकर सेना से अवमुक्त हुआ हो एवं **(ग)** वह सेना से कदाचार अथवा शारीरिक अक्षमता के कारण अथवा स्वयं की प्रार्थना पत्र के आधार पर अवमुक्त न हुआ हो और जिसे ग्रेच्युटी प्रदान की गयी हो।

8. वैवाहिक प्रास्थिति:– ऐसे विवाहित पुरूष अभ्यर्थी, जिनकी एक से अधिक जीवित पत्नी हो तथा महिला अभ्यर्थी जिन्होंने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पहले से ही एक पत्नी हो, पात्र नहीं होंगे, जब तक कि महामहिम राज्यपाल ने उक्त शर्त से छूट प्रदान न कर दी हो।

9. अर्हताएं:

(अ) अनिवार्य शैक्षिक अर्हताएँः–

क्र. सं.	पदनाम	अनिवार्य शैक्षिक अर्हता
1	प्रशिक्षक (बांस और बेंत)	उत्पाद विकास (निड अथवा निफ्ट) में स्नातक
2	प्रशिक्षक (मधुमक्खी पालन)	एम0एस0सी0 कीट विज्ञान
3	प्रशिक्षक (कुम्हारी)	ललित कला में स्नातक और ललित कला में एम0ए0 उपाधि धारक को अधिमान प्रदान किया जायेगा
4	प्रशिक्षक (हस्त निर्मित कागज)	बी0टेक0 / बी0ई0 (पल्प एण्ड पेपर टेक्नोलॉजी)
5	प्रशिक्षक (खाद्य संरक्षण)	बी0टेक0 / बी0ई0 फूड टेक्नोलॉजी अथवा फूड टेक्नोलॉजी में एम0एस0सी0
6	प्रशिक्षक (रेशा)	बी0टेक0 / बी0ई0 डिजाइन डेवलपमेंट और उत्पाद विकास अथवा डिजाइन डेवलपमेंट (निफ्ट / सिड) में स्नातक उपाधि
7	प्रशिक्षक (ग्रामीण तेल)	बी0टेक0 / बी0ई0 फूड टेक्नोलॉजी अथवा एम0एस0सी फूड टेक्नोलॉजी
8	प्रशिक्षक (अनाज, फसल और दाल प्रसंस्करण)	बी0टेक0 / बी0ई0 फूड टेक्नोलॉजी अथवा फूड टेक्नोलॉजी में एम0एस0सी0
9	प्रशिक्षक (खादी)	बी0टेक0 / बी0ई0 टेक्सटाइल इंजीनियरिंग
10	प्रशिक्षक (कम्बल)	बी0टेक0 / बी0ई0 टेक्सटाइल इंजीनियरिंग
11	प्रशिक्षक (अखाद्य तेल एवं साबुन)	बी0टेक0 / बी0ई0 केमिकल इंजीनियरिंग
12	प्रशिक्षक (माचिस एवं अगरबत्ती)	बी0टेक0 / बी0ई0 केमिकल इंजीनियरिंग
13	प्रशिक्षक (लोहारी / बढ़ईगीरी)	बी0टेक0 / बी0ई0 मैकेनिकल इंजीनियरिंग
14	प्रशिक्षक (चर्म)	बी0टेक0 / बी0ई0 (लेदर टेक्नोलॉजी)

(ब) अधिमानी अर्हताएंः– अन्य बातों के समान होने पर सीधी भर्ती के मामले में ऐसे अभ्यर्थी को अधिमान दिया जायेगा जिसनेः–

1. प्रादेशिक सेना में न्यूनतम दो वर्ष की अवधि तक सेवा की हो, या
2. राष्ट्रीय कैडेट कोर का 'बी' प्रमाण पत्र प्राप्त किया हो।

पदों की संगत सेवा नियमावलियाँ

- उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड (समूह 'क' और 'ख') सेवा विनियमावली, 2005
- उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड (समूह 'क' और 'ख') सेवा (प्रथम संशोधन) विनियमावली, 2013
- उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड (समूह 'क' और 'ख') सेवा (द्वितीय संशोधन) विनियमावली, 2021

नोटः– आवेदन Submit किये जाने की अन्तिम तिथि तक समस्त अर्हताएँ पूर्ण होना आवश्यक है।

10. आयु सीमा– (1) अभ्यर्थियों को 01 जुलाई, 2023 को 21 वर्ष की आयु अवश्य पूरी करनी चाहिए और उन्हें 40 वर्ष से अधिक आयु का नहीं होना चाहिए अर्थात् उनका जन्म 02 जुलाई, 1983 से पूर्व तथा 01 जुलाई, 2002 के बाद का नहीं होना चाहिए। दिव्यांगजन हेतु अधिकतम आयु सीमा 55 वर्ष है अर्थात् अभ्यर्थी का जन्म 02 जुलाई, 1968 के पूर्व का नहीं होना चाहिए। (2) **अधिकतम आयु सीमा मे छूटः**– (क) उ0प्र0 के अनुसूचित जाति, उ0प्र0 के अनुसूचित जनजाति, उ0प्र0 के अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों, उ0प्र0 के वर्गीकृत खेलों के कुशल खिलाड़ियों तथा उ0प्र0 राज्य सरकार के राजकीय कर्मचारियों, उ0प्र0 बेसिक शिक्षा परिषदीय शिक्षक / शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा उ0प्र0 के अनुदानित माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत् शिक्षकों / कर्मचारियों के लिये अधिकतम आयु सीमा में 05 वर्ष की छूट अनुमन्य होगी अर्थात् उनका जन्म 02 जुलाई, 1978 के पूर्व का नहीं होना चाहिए। (ख) उ0प्र0 के समाज के दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिये अधिकतम आयु सीमा 15 वर्ष अधिक होगी। (ग) उ0प्र0 के आपात कमीशन प्राप्त अधिकारियों / अल्पकालिक कमीशन प्राप्त अधिकारियों / भूतपूर्व सैनिकों के लिये अधिकतम आयु सीमा में सेना में की गई सेवा अवधि + 03 वर्ष के बराबर छूट अनुमन्य होगी।

11. परीक्षा एवं साक्षात्कार के संबंध में कतिपय सूचनायेंः– (1) परीक्षा की तिथि एवं केन्द्र की सूचना आयोग द्वारा ई–प्रवेश पत्र के माध्यम से बाद में दी जायेगी। (2) केवल वही अभ्यर्थी साक्षात्कार के लिए आहूत किये जायेंगे जो लिखित परीक्षा के आधार पर सफल घोषित होंगे। (3) मूल प्रमाण पत्रों की जाँच साक्षात्कार के समय होगी, उस समय अभ्यर्थियों को दो फोटोग्राफ अपने विभागाध्यक्ष अथवा उस संस्था के प्रधान द्वारा, जहाँ उन्होंने अन्तिम शिक्षा पायी हो अथवा किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित तथा दो सादे फोटोग्राफ प्रस्तुत करना होगा। (4) केन्द्र अथवा राज्य सरकार के अधीन कार्यरत अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय अपने सेवायोजक का सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। (5) साक्षात्कार के लिए सफल घोषित अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

12. अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण अनुदेशः– **(1)** उ0प्र0 लोक सेवा आयोग के निर्णय के अनुसार किसी भी अभ्यर्थी को अपने आवेदन पत्र मे गलत तथ्यों को, जिनकी प्रमाण पत्र के आधार पर पुष्टि नहीं की जा सकती है, देने पर अथवा अन्य किसी कदाचार पर आयोग की प्रश्नगत् परीक्षा तथा अन्य समस्त परीक्षाओं एवं चयनों से अधिकतम 05 वर्षों तक प्रतिवारित किया जा सकता है।

(2) यदि O.T.R. में उल्लिखित व्यक्तिगत सूचना से संबंधित कोई परिवर्तन किया जाना है तो उस परिवर्तन के पश्चात् Dashboard पर Synchronise (sync.) करना अनिवार्य होगा अन्यथा परिवर्तन अनुमन्य नहीं होगा। इस संबंध में त्रुटि सुधार / संशोधन हेतु कोई प्रत्यावेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा। अपूर्ण आवेदन पत्र सरसरी तौर पर निरस्त कर दिया जायेगा और इस संबंध में कोई भी पत्राचार स्वीकार नहीं किया जायेगा। गलत / भ्रामक सूचना प्रस्तुत करने पर अभ्यर्थन निरस्त माना जायेगा। **(3)** हाईस्कूल अथवा समकक्ष उत्तीर्ण परीक्षा के प्रमाण पत्र में अंकित जन्मतिथि ही मान्य होगी। अभ्यर्थी को आवेदन पत्र के साथ हाईस्कूल अथवा समकक्ष परीक्षा का प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा। जन्मतिथि हेतु उक्त प्रमाण पत्र के अतिरिक्त अन्य कोई अभिलेख मान्य नहीं होगा तथा उक्त प्रमाण पत्र संलग्न न करने पर आवेदन पत्र निरस्त कर दिया जायेगा। **(4)** मांगे जाने पर आवेदन पत्र के साथ अभ्यर्थी को शैक्षिक योग्यताओं के सम्बन्ध में किये गये दावों की पुष्टि में अंकपत्र, प्रमाण पत्र एवं उपाधि की स्वतः प्रमाणित प्रति संलग्न करना होगा। दावों की पुष्टि में प्रमाण पत्र / अभिलेख संलग्न न करने पर अथवा प्रमाण पत्र / अंक पत्र स्वतः प्रमाणित न होने पर आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जायेगा। **(5)** समाज के दिव्यांग अभ्यर्थियों को उ0प्र0 लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित और भूतपूर्व सैनिकों) के लिए आरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2021 की धारा–3 में उल्लिखित दिव्यांगता से ग्रस्त होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जो चिकित्साधिकारी / विशेषज्ञ द्वारा निर्गत एवं मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा प्रति हस्ताक्षरित हो, प्रस्तुत करने पर शासन द्वारा चिन्हित किए गये पदों पर दिव्यांग की उप श्रेणी के अन्तर्गत ही आरक्षण का लाभ अनुमन्य होगा। **(6)** आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि तक भूतपूर्व सैनिकों को सैन्य सेवा से अवमुक्त होना आवश्यक है। **(7)** परीक्षा की तिथि, समय तथा केन्द्रों आदि के सम्बन्ध में अनुक्रमांक सहित ई–प्रवेश पत्र के माध्यम से सूचना दी जायेगी। अभ्यर्थियों को आवंटित केन्द्र पर ही परीक्षा देनी होगी। परीक्षा केन्द्र परिवर्तन अनुमन्य नहीं होगा तथा इस सम्बन्ध में कोई भी प्रार्थना पत्र स्वीकार नहीं होगा। **(8)** जो अभ्यर्थी कालान्तर में विज्ञापन की शर्तों के अनुसार अर्ह नहीं पाये जायेंगे, उनका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा और परीक्षा में प्रवेश हेतु उनका कोई दावा मान्य नहीं होगा। अभ्यर्थियों की पात्रता के सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। **(9)** आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप पर न होने पर, आवेदन पत्र में जन्मतिथि का उल्लेख न करने पर, त्रुटिपूर्ण जन्मतिथि अंकित करने पर, अधिवयस्क या अल्पवयस्क होने पर, न्यूनतम शैक्षिक अर्हता धारित न करने पर, आवेदन पत्र प्राप्त किये जाने हेतु निर्धारित अंतिम तिथि के बाद आवेदन पत्र प्राप्त होने पर तथा आवेदन पत्र के घोषणा पत्र के नीचे हस्ताक्षर न करने पर आवेदन पत्र / अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा। **(10)** आयोग अभ्यर्थियों को उनके आवेदन पत्र की सरसरी जाँच पर औपबन्धिक प्रवेश दे सकते हैं, किन्तु बाद में किसी भी स्तर पर यह पाये जाने पर कि अभ्यर्थी अर्ह नहीं था अथवा आवेदन पत्र प्रारम्भिक स्तर पर ही स्वीकार करने योग्य नहीं था, उसका अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा और यदि चयनोपरान्त संस्तुत भी कर दिया गया हो तो आयोग की संस्तुति वापस ले ली जायेगी। **(11)** कदाशय अर्थात् परीक्षा मे नकल करने, अनुशासनहीनता, दुर्व्यवहार तथा अन्य अवांछनीय कार्य करने पर अभ्यर्थी का अभ्यर्थन निरस्त कर दिया जायेगा। इन अनुदेशों की अवहेलना करने पर अभ्यर्थी को इस परीक्षा तथा भविष्य में होने वाली अन्य समस्त परीक्षाओं / चयनों से प्रतिवारित किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। **(12)** आयोग से सभी पत्राचार में परीक्षा का नाम, विज्ञापन संख्या, O.T.R. No., Application ID, अभ्यर्थी का नाम, जन्मतिथि, पिता / पति का नाम तथा अनुक्रमांक (यदि दिया गया हो) का उल्लेख अवश्य होना चाहिए। **(13)** नियुक्ति हेतु चयनित अभ्यर्थियों को नियमों में अपेक्षित स्वास्थ्य परीक्षण कराना होगा। **(14)** लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर साक्षात्कार हेतु 3 गुना अभ्यर्थी बुलाये जायेंगे। साक्षात्कार में उपस्थित होना अनिवार्य है क्योंकि अभ्यथियों की श्रेष्ठता का निर्धारण लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के योग के आधार पर होगा। पदों के लिए अधिमान्यतायें साक्षात्कार के समय भरायी जायेंगी जिनमें बाद में कोई परिवर्तन अनुमान्य नहीं होगा। **(15)** ऐसे अभ्यर्थी जो पद के लिये निर्धारित अर्हकारी परीक्षा (पद की अनिवार्य अर्हता) में सम्मिलित हो रहे हैं, वे इस परीक्षा हेतु आवेदन न करें, क्योंकि वे पात्र नहीं हैं। **(16)** अभ्यर्थी ओएमआर उत्तर पत्रक को भरने में केवल ब्लैक बाल प्वाइंट पेन का प्रयोग करें। पेन्सिल या किसी अन्य पेन का प्रयोग कदापि न करें। **(17) अभ्यर्थी परीक्षा के समय उत्तर पत्रक (OMR Answer Sheet) पर मांगी गयी सूचना सम्बन्धित गोलों को ठीक से काला करके सही–सही भरें जो स्कैनर मशीन द्वारा पढ़ी जा सकें। OMR Answer Sheet में गोलों को काला करके दी गई सूचनाओं के आधार पर ही आयोग द्वारा OMR Answer Sheet का मूल्यांकन किया जायेगा। उत्तर पत्रक** (OMR Answer Sheet) **पर ह्वाइटनर, ब्लेड, पिन अथवा रबर आदि का भी प्रयोग न किया जाये। उत्तर पत्रक में गोलों को ठीक से काला न करने और कोई भी सूचना त्रुटिपूर्ण भरे जाने की स्थिति में आयोग द्वारा मूल्याकंन नहीं किया जायेगा और उक्त के लिये अभ्यर्थी स्वयं उत्तरदायी होगा। (18)** OMR Answer Sheets दो प्रतियों में एक मूल प्रति (Original Copy) तथा दूसरी अभ्यर्थी प्रति (Candidate's Copy) रहेगी। परीक्षा समाप्ति के पश्चात् अभ्यर्थी OMR Answer Sheets की मूल प्रति (Original Copy) अन्तरीक्षक को सौंप देंगे तथा अभ्यर्थी प्रति (Candidate's Copy) अपने साथ ले जायेंगे। **(19)** परीक्षा के वस्तुनिष्ठ प्रकारक प्रश्नपत्रों में अभ्यर्थी द्वारा दिये गये गलत उत्तरों पर दण्ड (Negative Marking) की व्यवस्था निम्नवत् लागू होगीः– **1.** प्रत्येक प्रश्न के लिये चार वैकल्पिक उत्तर हैं। उम्मीदवार द्वारा प्रत्येक प्रश्न के लिये दिये गये एक गलत उत्तर के लिये प्रश्न हेतु नियत किये गये अंको का 1 / 3 (0.33) दण्ड के रूप में काटा जायेगा। **2.** यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक उत्तर देता है तो इसे गलत उत्तर माना जायेगा, यद्यपि दिए गए उत्तरों में से एक उत्तर सही होता है, फिर भी इस प्रश्न के लिए उपर्युक्तानुसार ही उसी तरह दण्ड दिया जाएगा। **3.** यदि उम्मीदवार द्वारा कोई प्रश्न हल नहीं किया जाता है अर्थात् उम्मीदवार द्वारा उत्तर नहीं दिया जाता है तो उस प्रश्न के लिये कोई दण्ड नहीं दिया जायेगा। **(20)** अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों के लिये न्यूनतम दक्षता मानक (Minimum Efficiency Standard) 35% निर्धारित है अर्थात् इन श्रेणियों के अभ्यर्थी यदि परीक्षा में 35% से कम अंक प्राप्त करते हैं तो वे श्रेष्ठता / चयन सूची में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे। इसी प्रकार, अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिये न्यूनतम दक्षता मानक (Minimum Efficiency Standard) 40% निर्धारित है अर्थात ऐसे अभ्यर्थी यदि परीक्षा में 40% से कम अंक प्राप्त करते हैं तो वे श्रेष्ठता / चयन सूची में सम्मिलित नहीं किये जायेंगे। ऐसे सभी अभ्यर्थी आयोग द्वारा निर्धारित न्यूनतम दक्षता मानक (Minimum Efficiency Standard) से कम अंक पाने पर अनर्ह माने जायेंगे। **(21)** जिन अभ्यर्थियों के अभ्यर्थन निरस्त कर दिये जाते हैं वे अभ्यर्थी अभ्यर्थन निरस्त होने के पश्चात् अभ्यर्थी नहीं रह जाते हैं, अतः उन अभ्यर्थियों को उनके प्राप्तांक नहीं दिये जायेंगे। **(22)** आरक्षित श्रेणियों के उम्मीदवारों / अभ्यर्थियों को अंतिम चयन में अनारक्षित श्रेणी के पदों पर तभी समायोजित किया जायेगा जब उनके द्वारा परीक्षा के स्तर पर योग्यता मानक में कोई लाभ / रियायत न लिया गया हो। **(23)** यदि किसी अभ्यर्थी द्वारा कोई प्रमाण पत्र फर्जी अथवा कूटरचित Submit किया पाया गया तो उसे लोक सेवा आयोग के सभी चयनों से सदैव के लिये प्रतिवारित किया जायेगा तथा उसके विरूद्ध आई.पी.सी. की संगत धाराओं में कार्यवाही की जायेगी।

सामान्य अनुदेश

1– अंतिम नियत तिथि व समय के पश्चात किसी भी स्तर के आवेदन पत्र किसी भी दशा में स्वीकार्य नहीं किये जायेंगे। अपेक्षित सूचनाओं से रहित तथा ऐसे आवेदन पत्र, जिन पर अभ्यर्थी के फोटो अथवा हस्ताक्षर नहीं होंगे, समय से प्राप्त होने पर भी सरसरी तौर पर निरस्त कर दिये जायेंगे।

2– सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि व समय के पूर्व / तक अभ्यर्थी द्वारा 'ONLINE APPLICATION' प्रक्रिया में SUBMIT करना अनिवार्य है। अभ्यर्थी अपने द्वारा भरी गई सूचनाओं का प्रिन्ट प्राप्त कर लें और इसे सुरक्षित रखें। किसी विसंगति की दशा में अभ्यर्थी को इसे आयोग कार्यालय को प्रस्तुत करना होगा अन्यथा अभ्यर्थी का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जायेगा।

3– आरक्षण / आयु सीमा में छूट का लाभ चाहने वाले अभ्यर्थी सम्बन्धित आरक्षित श्रेणी के समर्थन में इस विस्तृत विज्ञापन में मुद्रित निर्धारित प्रारूप पर (परिशिष्ट–2) सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्राप्त कर लें एवं जब उनसे अपेक्षा की जाये तब वे उसे आयोग को प्रस्तुत करें। एक से अधिक आरक्षित श्रेणी / आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले अभ्यर्थियों को केवल एक छूट, जो अधिक लाभकारी होगी, दी जायेगी। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित, दिव्यांगजन, भूतपूर्व सैनिक तथा उत्कृष्ट / कुशल खिलाड़ियों को जो उ0प्र0 राज्य के मूल निवासी नहीं हैं, उन्हें आरक्षण / आयु सीमा का लाभ अनुमन्य नहीं है। महिला अभ्यर्थियों के मामले में पिता पक्ष से निर्गत जाति प्रमाण–पत्र ही मान्य होंगे।

4– आयोग अभ्यर्थियों को उनकी पात्रता के सम्बन्ध में कोई परामर्श नहीं देते हैं, इसलिए उन्हें विज्ञापन का सावधानीपूर्वक अध्ययन करना चाहिए और तभी आवेदन करें जब संतुष्ट हो जायें कि वे विज्ञापन की शर्तों के अनुसार अर्ह हैं। अभ्यर्थियों को पद के लिए वांछित सभी अर्हताएं आवेदन पत्र स्वीकार किये जाने की अंतिम तिथि तक अवश्य धारित करनी चाहिए।

5– स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों की श्रेणी में केवल पुत्र, पुत्री तथा पौत्र (पुत्र का पुत्र / पुत्री का पुत्र) एवं पौत्रियां (पुत्र की पुत्री / पुत्री की पुत्री, विवाहित / अविवाहित) ही आते हैं। इस श्रेणी के अभ्यर्थी आरक्षण विषयक प्रमाण–पत्र शासनादेश संख्या– 453 / 79–वी–1–15–1(का) 14–2015, दिनांक 07.04.2015 द्वारा निर्धारित प्रारूप पर जिलाधिकारी से प्राप्त कर प्रस्तुत करें।

6– किसी कदाचार, किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाने, अभियोजन / आपराधिक वाद लंबित होने, दोष सिद्ध होने, एक से अधिक जीवित पति या पत्नी के होने, तथ्यों को गलत प्रस्तुत करने तथा अभ्यर्थन / चयन के सम्बन्ध में सिफारिश करने आदि कृत्यों में लिप्त पाये जाने पर अभ्यर्थन निरस्त करने तथा आयोग की प्रश्नगत् परीक्षा व आगामी परीक्षाओं एवं चयनों से प्रतिवारित (Debar) करने का अधिकार आयोग को होगा।

7– लिखित परीक्षा हेतु जिलों की सूची परिशिष्ट–1 पर तथा आरक्षण सम्बन्धी प्रमाण पत्रों का प्रारूप परिशिष्ट–2 पर उपलब्ध है। इसी प्रकार उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के अन्तर्गत प्रशिक्षक (बांस और बेंत, मधुमक्खी पालन, कुम्हारी, हस्तनिर्मित कागज, खाद्य संरक्षण, रेशा, ग्रामीण तेल, अनाज, फसल और दाल प्रसंस्करण) पद की लिखित परीक्षा की परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम परिशिष्ट–3 तथा प्रशिक्षक (खादी, कम्बल, अखाद्य तेल एवं साबुन, माचिस एवं अगरबत्ती, लोहारी / बढ़ईगीरी, चर्म) पद की लिखित परीक्षा की परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम परिशिष्ट–4 पर उपलब्ध है।

8– यदि अभ्यर्थी को ऑन–लाइन आवेदन में कोई कठिनाई हो रही है तो आयोग के 'मेल बाक्स' से अपनी कठिनाई / समस्या का हल प्राप्त कर सकते हैं।

Detailed Application Form:

At the online page there is a 'Declaration' for the candidates. Candidates are advised to go through the contents of the Declaration carefully. Candidate has the option to either agree or disagree with the contents of Declaration by clicking on 'I Agree' or 'I do not agree' buttons. In case the candidate opts to 'I do not agree', the application will be dropped and the procedure will be terminated. Acceptance of 'I Agree' only will make possible the submission of the candidate's Online Application.

Notification Details

This section shows information relevant to Notification i.e. Notification number, selection type, directorate/ department name and post name

Personnel Details from OTR

This section shows information about candidate personnel details i.e. OTR Number, candidate name, Father/Husband name, Gender, DOB, UP domicile, Category, Marital status, email and contact number, photo & signature, address, UP Freedom Fighter, Ex Army, service duration and your physical challenges, Skilled Player, Outstanding Player of U.P., Debarred candidate.

Education & Experience Details

It shows your educational and experience details

Declaration segment

At the bottom of the page there is a 'Declaration' for the candidates. Candidates are advised to go through the contents of the Declaration carefully.

After filling all above particulars there is provision for preview your detail before final submission of application form on clicking on "Preview" button.

Preview page will display all facts/particulars that you have mentioned in O.T.R. if you are sure with filled details then click on "Submit" button to finally push data into server with successfully submission report that you can print.

[CANDIDATES ARE ADVISED TO TAKE A PRINT OF THIS PAGE BY CLICKING ON THE "Print" OPTION AVAILABLE]

For other information candidates are advised to select desired option in 'Home Page' of Commission's website **https://uppsc.up.nic.in**

IMPORTANT ANNOUNCEMENT

:- NOTIFICATIONS /ADVERTISEMENTS

- All Notification/Advertisements

:- ONLINE APPLICATION FORMS SUBMISSION

- Candidate Registration
- Fee Deposition /Reconciliation
- Submit Application Form
- Modify Submitted Application
- Candidate Dashboard (OTR Based)

:- CANDIDATE'S HELP DESK SECTION

- Double Verification mode
- View Application Status
- Download Admit Card
- Print Duplicate Registration Slip
- Print Detailed Application Form
- List of Applications Having ANY Objections
- View Answer Key

LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS: On-line Application process must be completed (including filling up of OTR, Part-I, Part-II and Part-III of the Form) before last date of form submission according to Advertisement, after which the web-link will be disabled.

परिशिष्ट–1

जिन नगरों में लिखित परीक्षा आयोजित की जायेगी वे निम्नवत् हैंः– (1) प्रयागराज और (2) लखनऊ।

परिशिष्ट–2

उ0प्र0 की अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिये जाति प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ..... सुपुत्र/सुपुत्री श्री ..... निवासी ..... ग्राम ..... तहसील ..... नगर ..... जिला ..... उत्तर प्रदेश राज्य की ..... जाति के व्यक्ति हैं जिसे संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 (जैसा कि समय–समय) पर संशोधित हुआ/संविधान (अनुसूचित जनजाति, उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967 के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता दी गई है।

श्री/श्रीमती/कुमारी .....तथा/अथवा उनका परिवार उत्तर प्रदेश के ग्राम ..... तहसील ..... नगर ..... जिला ..... में सामान्यतया रहता है।

स्थान ..... हस्ताक्षर.....

दिनांक ..... पूरा नाम.....

मुहर ..... पद नाम.....

जिलाधिकारी/अतिरिक्त जिलाधिकारी/सिटी मजिस्टेट/परगना मजिस्ट्रेट/तहसीलदार/अन्य वेतन भोगी मजिस्ट्रेट यदि कोई हो/जिला समाज कल्याण अधिकारी।

उत्तर प्रदेश के अन्य पिछड़े वर्ग के लिए जाति प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी .....सुपुत्र/सुपुत्री श्री..... निवासी ग्राम .....तहसील ..... नगर .... जिला ..... उत्तर प्रदेश राज्य की .....पिछड़ी जाति के व्यक्ति हैं। यह जाति उ0प्र0 लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण) अधिनियम, 1994 (यथासंशोधित) की अनुसूची–एक के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त है।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ..... पूर्वोक्त अधिनियम, 1994 (यथासंशोधित) की अनुसूची–दो (जैसा कि उ0प्र0 लोक सेवा) (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण) (संशोधन) अधिनियम, 2001 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है एवं जो उ0प्र0 लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये आरक्षण) (संशोधन) अधिनियम, 2002 द्वारा संशोधित की गयी है, से आच्छादित नहीं है। इनके माता–पिता की निरंतर तीन वर्ष की अवधि के लिये सकल वार्षिक आय आठ लाख रुपये या इससे अधिक नहीं है तथा इनके पास धनकर अधिनियम, 1957 में यथा विहित छूट सीमा से अधिक सम्पत्ति भी नहीं है।

श्री/श्रीमती/कुमारी ..... तथा/अथवा उनका परिवार उत्तर प्रदेश के ग्राम ..... तहसील ..... नगर ..... जिला ..... में सामान्यतया रहता है।

स्थान ..... हस्ताक्षर .....

दिनांक ..... पूरा नाम .....

मुहर ..... पद नाम .....

जिलाधिकारी/अतिरिक्त जिलाधिकारी/सिटी मजिस्ट्रेट/परगना मजिस्ट्रेट/तहसीलदार।

(प्रपत्र–I)

उत्तर प्रदेश सरकार

कार्यालय का नाम.....

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सदस्य द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला आय एवं परिसम्पत्ति प्रमाण–पत्र

प्रमाण पत्र संख्या..... दिनांक .....

वित्तीय वर्ष ..... के लिए मान्य

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ..... पुत्र/पति/पुत्री श्री ..... ग्राम/कस्बा..... पोस्ट ऑफिस ..... थाना ..... तहसील ..... जिला ..... राज्य..... पिन कोड ..... के स्थायी निवासी हैं, जिनका फोटोग्राफ नीचे, अभिप्रमाणित है, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के सदस्य हैं, क्योंकि वित्तीय वर्ष ..... में इनके परिवार की कुल वार्षिक आय 8 लाख (आठ लाख रूपये मात्र) से कम है। इनके परिवार के स्वामित्व में निम्नलिखित में से कोई भी परिसम्पत्ति नहीं है:–

I. 5 (पॉच) एकड़ कृषि योग्य भूमि अथवा उससे ऊपर।

II. एक हजार वर्ग फीट अथवा इससे, अधिक क्षेत्रफल का फ्लैट।

III. अधिसूचित नगरपालिका के अंतर्गत 100 वर्ग गज अथवा इससे अधिक का आवासीय भूखण्ड।

IV. अधिसूचित नगरपालिका से इतर 200 वर्ग गज अथवा इससे अधिक का आवासीय भूखण्ड।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी ..... जाति ..... के सदस्य हैं जो अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के रूप में अधिसूचित नहीं हैं।

आवेदक का पासपोर्ट साइज का अभिप्रमाणित फोटोग्राफ

हस्ताक्षर .....(कार्यालय का मुहर सहित)

पूरा नाम .....

पदनाम .....

जिलाधिकारी/अतिरिक्त जिलाधिकारी/सिटी मजिस्ट्रेट/परगना मजिस्ट्रेट/तहसीलदार।

(प्रपत्र–II)

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लाभार्थ स्वयं घोषणा पत्र

स्वयं घोषणा पत्र

मैं ..... पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री ..... ग्राम/कस्बा ..... पोस्ट ऑफिस ..... थाना ..... ब्लाक ..... तहसील ..... जिला ..... राज्य ..... ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के प्रमाण पत्र हेतु आवेदन दिया है, एतद् द्वारा घोषणा करता/करती हूँ:–

1. मैं ..... जाति से सम्बन्ध रखता/रखती हूँ, जो उत्तर प्रदेश हेतु अधिसूचित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, एवं अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में सूचीबद्ध नहीं है।

2. मेरे परिवार की कुल स्रोतों (वेतन, कृषि, व्यवसाय, पेशा इत्यादि) से कुल वार्षिक आय रू ..... (शब्दों में) है।

3. मेरे परिवार के पास उल्लिखित आय के सिवाय अथवा इसके अतिरिक्त अन्यत्र कोई परिसम्पत्ति नहीं है।

अथवा

कई स्थानों पर स्थित परिसम्पत्तियों को जोड़ने के पश्चात भी मैं (नाम) .... आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के दायरे में आता/आती हूँ।

4. मैं घोषणा करता/करती हूँ कि मेरे परिवार की सभी परिसम्पत्तियों को जोड़ने के पश्चात् निम्नलिखित में से किसी भी सीमा से अधिक नहीं है।

I. 5 (पॉच) एकड़ कृषि योग्य भूमि अथवा उससे ऊपर।

II. एक हजार वर्ग फीट अथवा इससे, अधिक क्षेत्रफल का फ्लैट।

III. अधिसूचित नगरपालिका के अंतर्गत 100 वर्ग गज अथवा इससे अधिक का आवासीय भूखण्ड।

IV. अधिसूचित नगरपालिका से इतर 200 वर्ग गज अथवा इससे अधिक का आवासीय भूखण्ड।

मैं प्रमाणित करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा उपरोक्त जानकारी मेरे ज्ञान और विश्वास के अनुसार सत्य है और मैं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण सुविधा प्राप्त करने हेतु पात्रता धारण करता/करती हूँ। यदि मेरे द्वारा दी गई जानकारी असत्य/गलत पायी जाती है तो मैं पूर्ण रूप में जानता हूँ/जानती हूँ कि इस आवेदन पत्र के आधार पर दिये गये प्रमाण पत्र के द्वारा शैक्षणिक संस्थान में लिया गया प्रवेश/लोक सेवाओं एवं पदों में प्राप्त की गई नियुक्ति निरस्त कर दी जायेगी/कर दिया जायेगा अथवा इस प्रमाण पत्र के आधार पर कोई अन्य सुविधा/लाभ प्राप्त किया गया है उससे भी वंचित किया जा सकेगा और इस सम्बन्ध में विधि एवं नियमों के अधीन मेरे विरूद्ध की जाने वाली कार्यवाही के लिए मैं उत्तरदायी रहूँगा/रहूँगी।

नोटः– जो लागू नहीं हो उसे काट दें।

स्थान :– **आवेदक/आवेदिका का हस्ताक्षर तथा पूरा नाम।**

दिनांकः–

उ0प्र0 के दिव्यांग व्यक्तियों के लिये प्रमाण–पत्र

(दिव्यांगजन प्रारूप)

Form-II

Certificate of Disability

(In cases of amputation or complete permanent paralysis of limbs or dwarfism and in case of blindness)

(Name and Address of the Medical Authority issuing the Certificate)

Recent passport size attested photograph (showing face only) of the person with disability

Certificate No. **Date:**

This is to certify that I have carefully examined Shri/Smt./Kum. _____ son/wife/daughter of Shri _____ Date of Birth (DD/MM/YY) _____ Age ____ years, male/female _____ registration No. _____ permanent resident of House No. _____ Ward/Village/Street _____ Post office _____ District _____ State _____.

whose photograph is affixed above, and am satisfied that:

(A) he/she is a case of:

- locomotor disability
- dwarfism
- blindness

(Please tick as applicable)

(B) The diagnosis in his/her case is_____

(C) he/she has _____% (in figure)_____percent (in words) permanent locomotor disability/ dwarfism/blindness in relation to his/her_____

(in words) permanent locomotor disability/ dwarfism/ blindness in relation to his/her_____ (part of body) as per guidelines (.....number and date of issue of the guidelines to be specified).

2. The applicant has submitted the following document as proof of residence:-

Nature of Document	Date of Issue	Details of authority Issuing certificate

3. Signature and seal of the Medical Authority.

(Dr.....) Member Medical Board with seal

(Dr.....) Member Medical Board with seal

(Dr.....) Chairperson Medical Board with seal

Signature/thumb impression of the person in whose favour certificate of disability is issued

Countersigned by the Chief Medical Officer (with seal)

Form-III

Certificate of Disability

(In cases of multiple disabilities)

(Name and Address of the Medical Authority/Board issuing the Certificate)

Recent passport size attested photograph (showing face only) of the person with disability

Certificate No. **Date:**

This is to certify that we have carefully examined Shri/Smt./Kum. _____son/wife/daughter of Shri _____ Date of birth (DD/MM/YY) _____age_____ years, male/ female _____Registration No. _____ permanent resident of House No. _____ Ward/Village/ Street _____ Post Office _____ District _____ State _____, whose photograph is affixed above, and am satisfied that:

(A) he/she is a case of Multiple Disability. His/her extent of permanent physical impairment/disability has been evaluated as per guidelines (.....number and date of issue of the guidelines to be specified) for the disabilities ticked below, and is shown against the relevant disability in the table below:

S. N.	Disability	Affected part of body	Diagnosis	Permanent physical impairment/ mental disability (in%)
1.	Locomotor disability	@		
2.	Muscular Dystrophy			
3.	Leprosy cured			
4.	Dwarfism			
5.	Cerebral Palsy			
6.	Acid attack Victim			
7.	Low Vision	#		
8.	Blindness	#		
9.	Deaf	£		
10.	Hard of Hearing	£		
11.	Speech and Language disability			
12.	Intellectual Disability			
13.	Specific Learning Disability			
14.	Autism Spectrum Disorder			
15.	Mental illness			
16.	Chronic Neurological Conditions			
17.	Multiple sclerosis			
18.	Parkinson's disease			
19.	Haemophilia			
20.	Thalassemia			
21.	Sickle Cell disease			

(B) In the light of the above, his/her over all permanent physical impairment as per guidlines (.....number and date of issue of the guidelines to be specified), is as follows:-

In figures.....percent.

In words.....percent

2. This condition is progressive/non-progressive/likely to improve/not likely to improve.

3. **Reassessment of disability is:-**

(i) not necessary,

or

(ii) is recommended/after..... years..... months, and therefore this certificate shall be valid till ....

(DD) (MM) (YY)

@ - e.g. Left/right/both arms/legs

- e.g. Single eye

£ - e.g. Left/Right/both ears

4. The applicant has submitted the following document as proof of residence:-

Nature of Document	Date of Issue	Details of authority Issuing certificate

5. Signature and seal of the Medical Authority.

Name and Seal of Member	**Name and Seal of Member**	**Name and Seal of the Chairperson**

Signature/thumb impression of the person in whose favour certificate of disability is issued

Countersigned by the Chief Medical Officer (with seal)

Form-IV

Certificate of Disability

(In cases other than those mentioned in Forms II and III)

(Name and Address of the Medical Authority/Board issuing the Certificate)

Recent passport size attested photograph (showing face only) of the person with disability

Cerficate No. **Date:**

This is to certify that I have carefully examined Shri/Smt./Kum._____son/wife/daughter of Shri _____ Date of birth (DD/MM/ YY) _____ age_____ years, male/ female_____.Registration No._____ permanent resident of House No. _____ Ward/Village/ Street_____Post Office_____District_____ State_____, whose photograph is affixed above, and am satisfied that:

(A) he/she is a case of ..... Disability. His/her extent of percentage physical impairment/disability has been evaluated as per guidelines (.....number and date of issue of the guidelines to be specified) for the disabilities ticked below, and is shown against the relevant disability in the

table below:-

S. N.	Disability	Affected part of body	Diagnosis	Permanent physical impairment/ mental disability (in%)
1.	Locomotor disability	@		
2.	Muscular Dystrophy			
3.	Leprosy cured			
4.	Cerebral Palsy			
5.	Acid attack Victim			
6.	Low Vision	#		
7.	Deaf	£		
8.	Hard of Hearing	£		
9.	Speech and Language disability			
10.	Intellectual Disability			
11.	Specific Learning Disability			
12.	Autism Spectrum Disorder			
13.	Mental illness			
14.	Chronic Neurological Conditions			
15.	Multiple sclerosis			
16.	Parkinson's disease			
17.	Haemophilia			
18.	Thalassemia			
19.	Sickle Cell disease			

(Please strike out the disabilities which are not applicable)

2. The above condition is progressive/non-progressive/ likely to improve/not likely to improve.

3. **Reassessment of disability is:-**

(i) not necessary
or
(ii) is recommended/after.....years..... months, and therefore this certificate shall be valid till (DD/MM/YY)

@ - e.g. Left/right/both arms/legs
# - e.g. Single eye/both eyes
£ - e.g. Left/Right/both ears

4. Signature and seal of the Medical Authority.

Name and Seal of Member	Name and Seal of Member	Name and Seal of the Chairperson
Signature/thumb impression of the person in whose favour certificate of disability is issued		Countersigned by the Chief Medical Officer (with seal)

उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों और भूतपूर्व सैनिकों के लिये आरक्षण), अधिनियम, 1993 (यथासंशोधित) के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित के लिए प्रमाण–पत्र

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ..... निवासी ..... ग्राम..... तहसील ..... नगर ..... जिला ..... उत्तर प्रदेश लोक सेवा (शारीरिक रूप से विकलांग, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों और भूतपूर्व सैनिक के लिये आरक्षण) अधिनियम, 1993 के अनुसार स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं और श्री/श्रीमती/ कुमारी (आश्रित) .... पुत्र/पुत्री/पौत्र (पुत्र का पुत्र या पुत्री का पुत्र) तथा पौत्री (पुत्र की पुत्री या पुत्री की पुत्री) (विवाहित अथवा अविवाहित) उपरांकित अधिनियम, 1993 (यथासंशोधित) के प्राविधानों के अनुसार उक्त श्री/ श्रीमती (स्वतंत्रता संग्राम सेनानी) ..... के आश्रित हैं।

स्थानः
दिनांकः

हस्ताक्षर .....
पूरा नाम .....
पदनाम .....
मुहर .....
जिलाधिकारी.....
सील.....

कुशल खिलाड़ियों के लिये प्रमाण–पत्र जो उ.प्र. के मूल निवासी हैं शासनादेश संख्या–22/21/1983–कार्मिक–2 दिनांक 28 नवम्बर, 1985 प्रमाण–पत्र के फार्म – 1 से 4

प्रारूप –1

(मान्यता प्राप्त क्रीड़ा/खेल में अपने देश की ओर से अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी के लिये)

सम्बन्धित खेल की राष्ट्रीय फेडरेशन/राष्ट्रीय एसोसिएशन का नाम .... राज्य सरकार की सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए कुशल खिलाड़ियों के लिए प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ..... आत्मज/ पत्नी/ आत्मजा श्री ..... निवासी ..... पूरा पता ..... ने दिनांक ..... से दिनांक ..... तक ..... (स्थान का नाम) में आयोजित .... (क्रीड़ा/खेल–कूद का नाम) की प्रतियोगिता/ टूर्नामेन्ट में देश की ओर से भाग लिया।

उनके टीम के द्वारा उक्त प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में ..... स्थान प्राप्त किया गया।

यह प्रमाण–पत्र राष्ट्रीय फेडरेशन/राष्ट्रीय एसोसिएशन/(यहाँ संस्था का नाम दिया जाये) ..... में उपलब्ध रिकार्ड के आधार पर दिया गया है।

स्थान .....
दिनांक .....

हस्ताक्षर .....
नाम .....
पद .....
संस्था का नाम .....
पता .....
मुहर .....

नोट : यह प्रमाण–पत्र नेशनल फेडरेशन/नेशनल एसोसिएशन के सचिव द्वारा व्यक्तिगत रूप से किये गये हस्ताक्षर होने पर ही मान्य होगा।

प्रारूप – 2

(मान्यता प्राप्त क्रीड़ा/खेल में अपने प्रदेश की ओर से राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी के लिये)

(सम्बन्धित खेल की प्रदेशीय एसोसिएशन का नाम) .....

राज्य सरकार की सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए कुशल खिलाड़ियों के लिए प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ..... आत्मज/पत्नी/ आत्मजा श्री ..... निवासी (पूरा पता) ..... ने दिनांक ..... से दिनांक ..... तक ..... में (क्रीड़ा/खेल–कूद का नाम) की प्रतियोगिता (टूर्नामेन्ट स्थान का नाम) ..... आयोजित राष्ट्रीय .....में (क्रीड़ा/खेल– कूद का नाम) की प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में प्रदेश की ओर से भाग लिया।

उनके टीम के द्वारा उक्त प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में ..... स्थान प्राप्त किया गया।

यह प्रमाण–पत्र ..... (प्रदेशीय संघ का नाम) में उपलब्ध रिकार्ड के आधार पर दिया गया है।

स्थान .....
दिनांक .....

हस्ताक्षर .....
नाम .....
पद .....
संस्था का नाम .....
पता .....
मुहर .....

नोट : यह प्रमाण–पत्र प्रदेशीय खेल–कूद संघ के सचिव द्वारा व्यक्तिगत रूप से किये गये हस्ताक्षर होने पर ही मान्य होगा।

प्रारूप – 3

(मान्यता प्राप्त क्रीड़ा/खेल में अपने विश्वविद्यालय की ओर से अन्तर्विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी के लिये)

विश्वविद्यालय का नाम .....

राज्य स्तर की सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए कुशल खिलाड़ियों के लिए प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ..... आत्मज/ पत्नी/ आत्मजा श्री ..... निवास (पूरा नाम) ..... विश्वविद्यालय की कक्षा ..... के विद्यार्थी ने दिनांक ..... से दिनांक ..... तक ..... (स्थान का नाम) में आयोजित अन्तर्विश्वविद्यालय ..... (क्रीड़ा/खेल–कूद का नाम) प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में ..... विश्वविद्यालय की ओर से भाग लिया। उनके टीम के द्वारा उक्त प्रतियोगिता/टूर्नामेन्ट में ..... स्थान प्राप्त किया गया। यह प्रमाण–पत्र डीन ऑफ स्पोर्ट्स अथवा इंचार्ज खेल कूद ..... विश्वविद्यालय में उपलब्ध रिकार्ड के आधार पर दिया गया है।

स्थान .....
दिनांक .....

हस्ताक्षर .....
नाम .....
पद .....
संस्था का नाम .....
मुहर .....

नोट : यह प्रमाण–पत्र विश्वविद्यालय के डीन ऑफ स्पोर्ट्स या इंचार्ज खेल–कूद द्वारा व्यक्तिगत रूप से किये गये हस्ताक्षर होने पर ही मान्य होगा।

प्रारूप – 4

(मान्यता प्राप्त क्रीड़ा/खेल में अपने स्कूल की ओर से राष्ट्रीय खेल–कूद में भाग लेने वाले खिलाड़ी के लिये)

डाइरेक्ट्रेट ऑफ पब्लिक इन्सट्रक्शन्स/निदेशक, शिक्षा, उत्तर प्रदेश .... राज्य स्तर की सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए कुशल खिलाड़ियों के लिए प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी ..... आत्मज/ पत्नी/आत्मजा श्री ..... निवास (पूरा नाम) .... में ..... स्कूल में कक्षा ..... के विद्यार्थी ने दिनांक .... से दिनांक ..... तक .....(स्थान का नाम) में आयोजित स्कूलों के नेशनल गेम्स की ..... (क्रीड़ा/खेल–कूद का नाम) प्रतियोगिता/ टूर्नामेन्ट में .... स्कूल की ओर से भाग लिया। उनके टीम के द्वारा उक्त प्रतियोगिता/ टूर्नामेन्ट में ..... स्थान प्राप्त किया गया।

यह प्रमाण–पत्र डाइरेक्ट्रेट ऑफ पब्लिक इन्सट्रक्शन्स/शिक्षा में उपलब्ध रिकार्ड के आधार पर दिया गया है।

स्थान .....
दिनांक .....

हस्ताक्षर .....
नाम .....
पद .....
संस्था का नाम .....
मुहर .....

नोट : यह प्रमाण–पत्र निदेशक/या अतिरिक्त/संयुक्त या उपनिदेशक डाइरेक्ट्रेट ऑफ पब्लिक इन्सट्रक्शन्स/शिक्षा ..... द्वारा व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर होने पर मान्य होगा।

<u>परिशिष्ट–3</u>

<u>परीक्षा योजना</u>

उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के अन्तर्गत प्रशिक्षक (बांस और बेंत, मधुमक्खी पालन, कुम्हारी, हस्तनिर्मित कागज, खाद्य संरक्षण, रेशा, ग्रामीण तेल, अनाज, फसल और दाल प्रसंस्करण) परीक्षा हेतु निम्नवत दो प्रश्न–पत्र होंगेः–

प्रथम प्रश्न–पत्र

विषय	प्रश्नों की संख्या	अंक	कुल अंक	समय
प्रश्न–पत्र–I	सामान्य हिन्दी के 25 (प्रत्येक प्रश्न 03 अंक)	75	375	2.30 (ढाई) घण्टा
	सामान्य अध्ययन–I के 100 (प्रत्येक प्रश्न 03 अंक)	300		

द्वितीय प्रश्न–पत्र

विषय	प्रश्नों की संख्या	अंक	कुल अंक	समय
प्रश्न–पत्र–II	सामान्य अध्ययन–II के 125 (प्रत्येक प्रश्न 03 अंक)	375	375	2.30 (ढाई) घण्टा

व्यक्तिगत परीक्षा (साक्षात्कार) – 100 अंक

कुल योग – 375 + 375 + 100 = 850

पाठ्यक्रम

सामान्य हिन्दी

<u>सामान्य हिन्दी</u> का पाठ्यक्रम।

(इसका स्तर हाईस्कूल का होगा):

1– हिन्दी–वर्णविचार– स्वर एवं व्यंजन
2– पर्यायवाची शब्द
3– विलोम शब्द
4– अनेक शब्दों के लिए एक शब्द/वाक्यांश के लिए एक शब्द
5– अनेकार्थक शब्द
6– उपसर्ग एवं प्रत्यय
7– अशुद्धि–शोधन – वर्तनी–शुद्धि, वाक्य–शुद्धि
8– तत्सम–तद्भव शब्द
9– शब्द–युग्म, अर्थबोध (शब्दार्थ)
10– मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ
11– सन्धि, समास
12– विरामचिन्ह
13– कारकचिन्ह
14– हिन्दी–व्याकरण– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, लिंग, वचन।

सामान्य अध्ययन–I

1. भारतीय इतिहास एवं भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन
2. भारत और विश्व का भूगोल
3. भारतीय राजनीति और संविधान
4. पर्यावरण एवं आपदा प्रबन्धन
5. महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम।

1. भारतीय इतिहास के अन्तर्गत अभ्यर्थियों से इतिहास के विविध पक्षों यथा राजनीति, अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक–व्यवस्था के सामान्य अवबोध की अपेक्षा की जाती है।

राष्ट्रीय आन्दोलन के अन्तर्गत अभ्यर्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि उन्हें भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन के स्वरूप एवं उद्देश्य एवं आदर्श की सम्यक समझ हो।

2. भारत और विश्व का भूगोल के अन्तर्गत अभ्यर्थियों से भारत और विश्व के भौतिक और मानव भूगोल के विविध आयामों की सामान्य सन्दर्भों में समझ की अपेक्षा की जाती है।

3. भारतीय राजनीति और संविधान के अन्तर्गत अभ्यर्थियों से भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था और भारतीय संविधान के आधारभूत पक्षों की सामान्य जानकारी की अपेक्षा की जाती है।

4. पर्यावरण के अन्तर्गत आधुनिक सन्दर्भों में पर्यावरण, पर्यावरणीय प्रदूषण एवं अवनयन का विविध सन्दर्भों में ज्ञान की अपेक्षा अभ्यर्थियों से की जाती है।

आपदा प्रबन्धन के अन्तर्गत आपदा के स्वरूप, प्रकार एवं भारत में आपदा प्रबन्धन की स्थिति पर सामान्य जानकारी की अपेक्षा की जाती है।

5. महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम।

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र – द्वितीय

सामान्य अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी

संगणक परिचय, नम्बर सिस्टम तथा उनका रूपान्तरण, इनपुट/आउटपुट युक्तियाँ, विन्डो–एक्स.पी. का परिचय।

बिल्डिंग संरचना तथा पदार्थ, मोर्टार तथा कान्क्रीट में बालू की विभिन्न भूमिकायें, नमी के श्रोत तथा इसके प्रभाव नमी को बचाने के तरीके।

सौर्य ऊर्जा का महत्व, सौर्य स्थिरांक, सौर्य ऊर्जा के संग्राहक, सोलर विकिरण का ऊष्मा में रूपान्तरण के सिद्धान्त।

बल सिस्टम, समतलीय बल, संतुलन समीकरण, प्लेन ट्रस तथा इसका विष्लेशल, द्विघात तथा चतुर्घात इंजिन, टरबाइन और संपीडक, जेट नोदन, अपकेन्द्री तथा प्रत्यागामी पम्प, सामान्य पदार्थों का सत्य तथा रूढ़ीय स्ट्रेस–स्ट्रेन वक्र।

<u>विज्ञान</u>

इकाई एवं आयाम, सदिश राशि, न्यूटन के नियम, वृत्तीय गति, जड़त्व आघूर्ण, पलायन वेग, कक्षीय वेग, सरल आवर्त गति, सरल लोलक, प्रत्यास्थता, श्यानता एवं पृष्ठ तनाव।

ताल के संयोग एवं त्रुटिया, टेलीस्कोप, नेत्रिका, यंग का द्विछिद्र प्रयोग, ध्रुवण, अनुदैर्घ्य एवं अप्रगामी ध्वनि तरंगें, वायु स्तम्भ में कम्पन, बीट, डापलर प्रभव, वैद्युत क्षेत्र एवं विभव, ओम के नियम, किरचाफ का नियम, चुम्बकीय क्षेत्र में आवेश की गति, चुम्बकत्व के प्रकार, विद्युत–चुम्बकीय प्रेरण ट्रान्सफार्मर एवं हिस्टेरिसिस क्षति, एल. सी. आर. परिपथ, डायोड, ट्रान्जिस्टर, जेनर साधारण परिपथ एवं प्रयोग। दी ब्रागली तरंग, एक्स किरण, प्लैन्क का नियम। परमाणु संरचना, बोहर सिद्धान्त–हाइड्रोजन स्पेक्ट्रम। नाभिकीय संरचना, स्थाईत्व, रेडियो सक्रियता एवं क्षय, संलयन एवं विखण्डन, नाभिकीय ऊर्जा लाजिक गेट।

He, H_2, O_2, Cl_2 तथा NH_3 के बनाने की विधि एवं इनके गुण एवं उपयोग। मीथेन, इथेन, ऐसीटिलीन, मेथिल आइसोसाइनेट के बनाने की विधि एवं उपयोग। लौह, एल्यूमिनियम, ताँबा, जिंक, सिल्वर के निष्कर्षण विधि। पीतल तथा लोहे के मिश्रधातु के विषय में। नीचे लिखे यौगिकों के बनाने के विधि एवं उपयोग। सोडियम थायोसल्फेट(हाइपो), सोडियम कार्बोनेट, सोडियम बाईकार्बोनेट, बोराक्स, पोटेशियम परमैगनेट, पोटाश एलम, ब्लीचिंग पाउडर, प्लास्टर ऑफ पेरिस, कैल्शियम फास्फेट, सोरेल सिमेंट, एल्कोहल्स, क्लोरोफार्म, आयडोफार्म, ग्लूकोस, फ्रक्टोस, यूरिया, नाइट्रोवेंजीन, डी.डी.टी., साबुन तथा डिटर्जेन्ट, तेल एवं वसा, विस्फोटक– आर. डी. एक्स., टी.एन.जी., टी.एन.टी., टी.एन.पी. तथा डायनामाइट, ऐसीटिक अम्ल, साइट्रिक अम्ल, सैलिसिलिक अम्ल, बेंजोइक अम्ल। अम्ल, क्षार तथा लवण की अवधारणा। रासायनिक आबंध क्रम तथा आबंध लम्बाई एवं स्थाईत्व से सम्बन्ध। H_2, H_2, O_2, F, CO^+ तथा NO^+ की आबंध क्रम ज्ञात करना।

आक्सीकरण तथा अवकरण प्रक्रिया। आक्सीकरण संख्या, तनुविलय न का सिद्धान्त, विद्युत अपघटन तथा दैनिक जीवन में इसका उपयोग। इलेक्ट्रोड, गैलवैनिक सेल, ईंधन सेल, ऊष्मीयगतिकी का, प्रथम एवं द्वितीय नियम– रासायनिक साम्य, बफर विलयन, जलअपघटन तथा pH ।

<u>सामाजिक न्याय</u>

कमजोर वर्ग और भारतीय समाज में इसके आयाम, महिलाएँ, बच्चे, बुजुर्ग, गरीब, आदिवासी, पिछड़ी जातियाँ और वर्ग (उ.प्र. के विशेष सन्दर्भ में)।

भारतीय समाज की आबादी के कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं और इन योजनाओं का निष्पादन, इन कमजोर वर्गों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए गठित तंत्र, कानून, संस्थान और निकाय।

स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से सम्बन्धित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबन्धन से सम्बन्धित मुद्दे।

<u>नीतिशास्त्र एवं सत्यनिष्ठा</u>

दर्शन, नैतिक दर्शन; नैतिक निर्णय, मूल्य, ऋत, अपूर्व एवं अदृष्ट।

पुरुषार्थ; आश्रम; गीता एवं कांट का नैतिक दर्शन; त्रिरत्न (जैन दर्शन); चार आर्यसत्य; प्रतीत्यसमुत्पाद, अष्टांगिक मार्ग, ब्रह्मविहार (बौद्ध दर्शन); गाँधी दर्शन।

सेवा में ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा का दार्शनिक आधार; सेवा में कदाचार; आचार एवं आचरण के नियम, संघ, हड़ताल।

<u>परिशिष्ट–4</u>

परीक्षा योजना

उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के अन्तर्गत प्रशिक्षक (खादी, कम्बल, अखाद्य तेल एवं साबुन, माचिस एवं अगरबत्ती, लोहारी/बढ़ईगीरी, चर्म) परीक्षा हेतु निम्नवत दो प्रश्न–पत्र होंगेः–

प्रथम प्रश्न–पत्र				
विषय	**प्रश्नों की संख्या**	**अंक**	**कुल अंक**	**समय**
1– सामान्य हिन्दी	25 (प्रत्येक प्रश्न 03 अंक)	75	375	2.30 (ढाई) घण्टा
2– मुख्य विषय (टेक्सटाइल इंजीनियरिंग–I, केमिकल इंजीनियरिंग–I, मैकेनिकल इंजीनियरिंग–I, लेदर टेक्नोलॉजी–I)	100 (प्रत्येक प्रश्न 03 अंक)	300		

द्वितीय प्रश्न–पत्र				
विषय	**प्रश्नों की संख्या**	**अंक**	**कुल अंक**	**समय**
सामान्य अध्ययन	25 (प्रत्येक प्रश्न 03 अंक)	75	375	2.30 (ढाई) घण्टा
2– मुख्य विषय (टेक्सटाइल इंजीनियरिंग–II, केमिकल इंजीनियरिंग–II, मैकेनिकल इंजीनियरिंग–II, लेदर टेक्नोलॉजी–II)	100 (प्रत्येक प्रश्न 03 अंक)	300		

व्यक्तिगत परीक्षा (साक्षात्कार) – **100 अंक**

कुल योग – **375 + 375 + 100 = 850**

पाठ्यक्रम

प्रश्न–पत्र हेतु

सामान्य हिन्दी

<u>सामान्य हिन्दी</u> का पाठ्यक्रम।

(इसका स्तर हाईस्कूल का होगा):

1– हिन्दी–वर्णविचार– स्वर एवं व्यंजन
2– पर्यायवाची शब्द
3– विलोम शब्द
4– अनेक शब्दों के लिए एक शब्द/वाक्यांश के लिए एक शब्द
5– अनेकार्थक शब्द
6– उपसर्ग एवं प्रत्यय
7– अशुद्धि–शोधन – वर्तनी–शुद्धि, वाक्य–शुद्धि
8– तत्सम–तद्भव शब्द
9– शब्द–युग्म, अर्थबोध (शब्दार्थ)
10– मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ
11– सन्धि, समास
12– विरामचिन्ह
13– कारकचिन्ह
14– हिन्दी–व्याकरण– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, लिंग, वचन।

Syllabus for Post Prashikshak (Khadi) and Prashikshak (Blanket)

Textile Engineering

Paper-I

Textile Fibres-I: Textiles fibres & their classification, general properties of fibres, cultivation/production, structure & properties of cotton, jute, linen, wool, silk, & other natural fibres, identification of fibres by different methods, molecular weight & its determination, concept of orientation & crystallinity, concept of Tg & Tm & its determination., High performance fibres, high strength high modulus fibre, aramid fibres, carbon fibres, thermal & chemical resistant fibres, elastomeric fibres, biodegradable fibres, their manufacture, properties & application.

2. Yarn manufacture-I: Spinning: sequence of cotton & its blends, ginning of cotton, objects of opening & cleaning, role of blow room machines & their principle of operation, carding: objects, functions, working principle & process parameters, cotton card, woolen & worsted cards, Objects, principles & process parameters of draw frame for cotton & its blends, process sequence of combing, principle of combing, Objectives, functions & working of gill boxes, calculations pertaining to blow room, card, draw frame comber & gill box. Role & function of autoleveller in card & draw frame, types of defects & remedies during blow room, carding & draw frame.

3. Fabric Manufacture-I: Objects of preparatory process, different types of winding machines & their working principles, objects of warping, different types of warping machines & their principles of operation, objects of sizing, sizing ingredient, different types of sizing machines & their working, defects in winding, warping & sizing & their remedies, calculations pertaining to winding, warping, sizing & beaming.

4. Knitting: Weft knitting machines, different types of weft knitted structures & machines, basic warp knitted structure, underlap & overlap, principles of tricot, Rachel & crochet machines, calculation pertaining to weft & warp knitting, process control in knitting.

5. Chemical processing-I: Objective, singeing techniques, their merits and demerits, Desizing: objectives & mechanism of desizing, desizing evaluation, scouring of natural, manmade and blended textiles, evaluation of scouring efficiency, carbonisation of wool. Degumming of silk, bleaching of cotton, silk, wool, man-made fibres and blended textiles, estimation of bleaching, objectives, concepts of mercerization, Concept of color, additive, application of direct, reactive, vat, solubilized vat and sulphur dyes on cellulose fibres. Application of acid, Basic and metal complex dyes on wool and silk. Auxiliaries used in dyeing.

6. Textile Testing-I: Objective of testing & sample size, methods & principles involved in testing of fibre properties, like moisture, length, fineness, tensile strength, maturity, yarn testing : count, strength, tenacity, unevenness, hairiness, principle involved in testing of various fibre &yarn properties.

7. Design of spinning machines: design of drums for scutcher & speed frame, principle of designing blow room & card, definition of cam, follower & their classification, function of flywheel, design aspects in draw frame & comber, mechanism of combing, building mechanism in roving frame & ring frame, design concept of ring frame machine parts, forces acting on ring & trave ler, concept of rotor spinning.

Syllabus for Post Prashikshak (Non Edible Oil and Soap) and Prashikshak (Match and Agarbatti)

Chemical Engineering

PAPER -I

(a) Fluid and Particle Dynamics

Properties of fluids, concepts of compressible and incompressible flow, Laminar and turbulent flows, Equation of continuity and Navier-Stokes equation, Bernoulli's theorem, flow meters, fluid drag and pressure drop due to friction, Reynold's Number, friction factor and pipe roughness, pumps, jet ejectors, compressors, blowers, fans. Agitation and mixing of liquids/solids/pastes, screening, crushing, grinding, principles and equipments. Rittinger's, Kick's and Bond's laws, filtration and equipments. Free and hindered settling, concept of fluidization, transport of solids.

(b) Mass Transfer

Molecular diffusion, Fick's law of diffusion, mass transfer coefflecients, film and penetration theories, distillation, relative volatility, fractional distillation, plate and packed columns of distillation, calculation of theoretical number of plates. Liquid-liquid extraction, absorption & stripping, drying, humidification, dehumidification, leaching, crystallization, adsorption isotherms.

(c) Heat Transfer

Conduction, thermal conductivity, extended surface heat transfer. Free and forced convection, heat transfer coefficients, Nusselt number, co-current and counter current flow, LMTD, fouling factor. Desigin of double pipe and shell & tube heat exchangers, analogy between heat and momentum transfer, boiling and condensation, single and multiple effect evaporators. Radiation, Stefan-Boltzman Law, emissivity and absorptivity, calculation of heat load of a furnace, Solar heaters.

(d) Advance Separation Processes: Fundamentals of separation process, equilibrium separation processes, ion exchange, electro-dialysis, reverse osmosis, ultra-filtration, molecular distillation, super critical fluid extraction.

(e) Process Equipment design

Basic design procedures and theory, factors affecting vessel design, cost considerations, design of storage and pressure vessels, design of flat and elliptical head, design of supports, characteristics and selection of materials of construction.

(f) Process Dynamics Instrumentation and Control

Measuring instruments for level, pressure, flow, temperature, pH and concentration. Control variables, manipulated variable and load variables. Laplace transforms, transfer functions of first and second order systems, Block diagram representation, controllers and their transfer functions, stability of closed loop system, Routh array test, transient and frequency response, Bode plots.

Syllabus for Post Prashikshak (Blacksmithy and Carpentry)

MECHANICAL ENGG./

PAPER —I

1. Engineering Mechanics: Analysis of Force Systems, Friction, Centroid and Centre of Gravity, Trusses , Bending Moment and Shear Force diagrams, Kinematics and Kinetics of Rigid Bodies.

2. Mechanisms and Machines: Velocity and Acceleration analysis, Cams and Followers, Gears and gear trains, Clutches, Brakes and Dynamometers, Flywheel and Governors, Braks and Dynamometers, Balancing of rotating and Reciprocating Masses, Balancing of Multi Cylinder Engines, Free and Forced Vibration, Gyroscopic Stabilization, Whirling of Shafts.

3. Mechanics of Solids: Stresses and Strains, Compound Stresses and Strains, Torsion of circular Shafts, Slope and Deflection, Unsymmetrical bending, Curved Beams, Thin and Thick Cylinders, thin Spheres, Helical and Leaf Springs, Buckling of Columns.

4. Design of Machine Elements: Design for Static and Dynamic Loading, Theories of failures, Fatigue, Design of Rivetted, Welded and Bolted Joints, Shafts, Gears,. Bearings, Clutches and Brakes.

5. Engineering Materials: Crystal Systems and Crystallography, Crystal Imperfections, Phase Diagrams, Iron Carbon Equilibrium Diagram, Heat Treatment, Ferrous and Non Ferrous Metals and Alloys, 'Mechanical Properties and Testing.

6. Manufacturing: Metal Casting, Metal joining, Metal forming, Mechanics of Metal cutting, Machining and Machine Tool Oprerations, Unconventional Machining, Limits, Fits and Tolerances, Inspection: Surface Roughness and its measurement; Comparators, Computer Integrated Manufacturing, Flexible Manufacturing Systems, Jigs and Fixtures.

7. Industrial Engineering: Production Planning and Control, Inventory Control, Operations Research, CPM and PERT.

8. Mechatronics and Robotics: Microprocessors and Micro Controllers, Architecture, Programming, Computer Interfacing, Programmable Logic Controllers, Sensors and Actuators, Piezoelectric Accelerometers, Hall Effect Sensors, Optical Encoder, Resolver, Inductosyn, Pneumsatic and Hydraulic Actuators, Stepper Motor, Control System, Mathematical Modelling of Physical Systems, Control Signals, Controllability and Observability. Robotics : Robot Classification, Robot Specification, Notation, Direct and Inverse Kinematics, Homogeneous Co-ordinates and Arm Equations of four Axis SCARA Robot.

Syllabus for Post Prashikshak (Leather)

Leather Technology

PAPER-I

UNIT-I

Microscopy and Becteriology

History: Histology of hides and skins-cells, tissues, fibers, muscles, glands, epidermis, dermis etc. histological characteristics of buffalo and cow hides, goat and sheep skins, reptiles skins. **Compound Microscope:** Mechanical and optical part of compound microscope, image formed, defects in eye pieces and their rectification etc. different types of microscopes.

Microscopical slides: Preparation of microscopical slides, finishing and hardening, embedding, sectioning, staining and counting the photomicrography.

Fiber Structure and Assessment: Orientation of fiber, structure in curing, soaking, limping, picking tanning and optimal conditioning of fiber structure in various types of leather assessment of leather.

The Bacterial Cell and its Internal Structure: Nutrition of bacteria and the preparation of culture media. Metabolism and respiration of bacteria-sterilization-effect of environment upon bacteria-isolation and identification of bacteria classification of bacteria usually found ion hides and skins-bacterial proteolysis disinfections and disinfectants-bacteriology of curing soaking, liming and bating.

Mycology: Isolation, identification and classification of fungi associate with leather processing, Morphology and physiology of fungi, Mycological problems of leather industry and their prevention.

Entomology: Influence of the following parasite diseases, skin leather quality and their prevention, warbles ticks, mosquito lice, insect damage to dry hides and skin caused by hide beetles and moths and their prevention.

Leather Biotechnology: Chemistry of DNA & RNA, structure conformation, classification of enzyme, essentials of biotechnology, restriction of enzyme.

UNIT-II

SKIN COMPOSITION, PROTEIN AND PRE-TANNING PROCESS

Chemical Constituents of hides and skins: Variation fibrous and non-fibrous proteins, non-proteinous skin components.

General and physical chemistry of proteins: with special reference to hide proteins, chemical constituents of hides and skins, reaction of proteins with acids, base and salts.

Structure of collagen: primary structure of collagen, amino acid composition, molecular conformation amino acid sequence in collagen in relation to molecular conformation-X-ray diffraction pattern, the triple helix structure, electron microscopy of the collagen fiber.

Aggregation phenomenon of collagen: precipitated form of collagen, Kinetics of fibril formation.

Thermal transition: Thermal transition in collagen and their relation with amino acid composition and environmental-temperature, Denaturation temperature, Mechanism of Denaturation process, Renaturation of gelatin solution.

Effect of enzymes on collagen: Collagenasis, proteolytic enzymes, selective proteolysis and telopeptides.

Reactive groups in collagen: Modification of reactive groups of collagen modified proteins.

Other skin properties: Keratin, Reticulin, elastin- their chemical composition, structure and functions, nonfibrous skin proteins.

Non proteinous skin components: Lipids, carbohydrates vitamins, mineral constituents.

Pre-tanning process: Flaying, curing, defect of hides and skins, chemistry and principle of different pretanning process- soaking, liming, deliming, bating, degreasing, pickling and depickling process control.

UNIT-III

INORGANIC AND ORGANIC TANNING

Theory & behavior of group elements: Werners co-ordination theory, behaviour of group elements, chromium, Aluminium, Zirconium, Iron, Titanium, Difference between salts of these elements.

Chrome Tanning: Chromium complexes and their structures, study on the phenomena of hydrolysis, olation, oxolation, polymerization of chrome complexes, masking principle of masking, affect of masking on chrome tannage,

Method of chrome tannage, preparation of chrome liquors and powders, influence of reducing agent on nature of chrome complexes mechanism of chrome tanning, variable parameters of chrome tanning.

Vegetable tanning: Mechanism of vegetable tanning, factors affecting vegetable tannage, process of vegetable tanning.

Aluminium Tanning, Zirconium Tanning, Neutralization, Combination Tannage.

Collagen Tanning: Concept of tanning, leather properties of dependent on tanning.

Vegetable tannins, Hydrolysable tannins, Condensed tannins, Biosynthesis of plant polyphenols, Synthetic tannins, Resin and Polymeric Tannages, Aldehyde tannage.

UNIT-IV

POST TANNING AND FINISHING OPERATION FOR LEATHER MANUFACTURING

Chemistry of Bleaching and Mordanting agent: Dyeing: Principles of colour chemistry, Classification of leather dyes, Blending of dyes, Principles of color matching, Theory and mechanism of dyeing, Dyeing methods, Light fastness of dyeing, Dyeing auxiliaries such as leveling agents, wetting agents, Dispersing agents and Dye fixatives.

Leather Auxiliaries : Fat Liquoring agents, Pigments, Binders, Lacquers.

Washing, Neutralization, Oil, Fat and Fat liquoring.

Water Proofing.

Finishing Materials: Properties, Chemistry and methods of preparation of Nitrocellulose lacquers and lacquer Emulsions, Wax emulsions, Silicone emulsions.

UNIT-V

LEATHER PROCESSING

Processing of Leather From Goat skins: Glazed kid, resin uppers, glazed uppers, shoe suede, garment suede, Lining leathers. Chamois leathers, printed leathers, morocco and book binding leathers, E.I. Goat skins and their dressing into different types of leathers.

Processing of Leather From Sheep Skins: Vegetable tanning and chrome tanning of sheep skins, conversion into different types of finished leathers-sheep nappa, garment, suede, uppers. Lining leathers, glove leathers, diaphragm leathers.

Exotics and others:

Reptile leathers, hair on tanning and dressing of fur skins.

Upgrading of leathers:

Retanning special finishing effects for up gradation of lower ends like Embossing, screen printing block printing, transfer film finishing, seal and Sink finish, popcorn effect, punching etc. Roller coating and other modern equipments, Burnishable and oil pull up leathers

Heavy Leathers: Vegetable tanned sole leathers, Bag tanning, different types of finished leathers, Belting leathers, Harness and saddlery leathers, Chrome and waxed soles, picking band leathers. Picker and apron leathers, Hydraulic and pneumatic leather such as hand pump leathers.

Leather for liquification plants for air, Oil seal, Gas, etc. Sports Goods leathers like Football. Rugby ball, Volley ball, Hockey ball, Cricket Ball etc. Gloves leathers for wicket keepers, Batting, Boxing etc).

Light Leather: Full chrome retan, hunting suedes, softies, nappa, and burnishable Upper leathers, Printed, Shrunken grain and upholstery leathers Water proof and water repellent upper leather, Nubuk and white leather. E.I. tanning, dressing of E.I. tanned leathers in to upper, lining, Bag leather, leather for leather goods kattas, bunwar etc.

Different types of leathers using chrome splits, Formulation and different dyestuffs, fat liquors, retaining agents.

द्वितीय प्रश्न–पत्र हेतु

सामान्य अध्ययन

1. भारतीय इतिहास

2. भारत का भूगोल

3. भारतीय राजनीति और संविधान

4. महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम।

1. भारतीय इतिहास के अन्तर्गत अभ्यर्थियों से इतिहास के विविध पक्षों यथा राजनीति, अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक–व्यवस्था के सामान्य अवबोध की अपेक्षा की जाती है।

2. भारत का भूगोल के अन्तर्गत अभ्यर्थियों से भारत के भौतिक और मानव भूगोल के विविध आयामों की सामान्य सन्दर्भों में समझ की अपेक्षा की जाती है।

3. भारतीय राजनीति और संविधान के अन्तर्गत अभ्यर्थियों से भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था और भारतीय संविधान के आधारभूत पक्षों की सामान्य जानकारी की अपेक्षा की जाती है।

4. महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम।

Syllabus for Post Prashikshak (Khadi) and Prashikshak (Blanket)

Textile Engineering

Paper-II

1. Textile Fibre-II: Regenerated & synthetic fibres, concept of polymerization & manufacturing process of regenerated & synthetic fibres by melt, dry, wet & dry-jet wet spinning methods, structure & properties of regenerated & synthetic fibres & their uses concept of as spun, POY & FOY, objectives & principles of different methods of texturing & process parameters involved in texturing. concept of drawing & heat setting.

2. Yarn Manufacture-II: Principles & process parameters of speed frame & rubbing frame, Objectives & working of ring frame, & mechanism involved in drafting, twisting & winding at speed frame & ring frame, spinning of long staple fibres like jute, wool, & silk etc, objects of doubling, types of doubling systems, calculations pertaining to blow room, card, draw frame , combing, speed frame, ring frame & doubling & TFO. Principle involved in Rotor spinning, Principle of operation of DREF-I] & DREF-III machines, Principle & mechanism of air-jet, air vortex, ply-fil, wrap, electrostatic spinning, textured yarn manufacture. idealized helical geometry, packing of fibres in a yarn, fibre migration,

3. Woven Fabric Manufacture: Different methods of fabric manufacturing- woven, knitted & non- woven, types of shuttle loom & their mechanism, role & working of tappet, dobby & jacquard & their developments, picking, beat-up, let off & take up mechanism in loom, role & working of various stop motions, features of automatic shuttle looms, different types of shulleless loom viz; air-jet, water-jet, rapier, projectile & their principle & mechanism, elements of fabric geometry,

4. Non-Woven: Classification of non-woven fabrics, principles of web formation, web characteristics and their influence on properties, bonding techniques, needle punching, spun bonding techniques, application of different types of non woven structures,

5. Fabric Structure & design: Basic elements of fabric design, plain, twill, sateen, huck-a-back, weaves their derivatives construction, objectives of extra warp & weft design, warp backed & weft backed design, different types of double cloth construction, geometrical & floral design, damask & brocade design, tapestry structure, basis of carpet & textile design, Indian motif, historical, aesthetical, traditional textile, Jamdani, Bandhani, Batik prints, digital printing, screen Printing, block printing, colour forecasting of carpet & textile design, computer aided design & its importance, fabric geometry, square & jammed structure, fabric deformation under stress.

6. Chemical processing-II: Dyeing of polyester with disperse dye, nylon with acid dye, acrylic with cationic dyes, methods of dyeing blends, Characteristics of printing paste ingredients, classification and mechanism of thickeners, printing methods, styles of printing, printing after treatments, Objects & types of finishing, mechanical finishing, chemical & functional finish, mechanism, flame retardant finishes, water repellent finishes etc.

7. Textile Testing-II: Fabric testing: gsm, thickness, cover, air permeability, moisture & water transmission, wetting & wicking properties, compressibility, tensile, tear & bursting strength, abrasion & pilling resistance, FAST & KESF properties etc,

8. Designing of Weaving m/cs: Designing concept of drum winding machine, concept of warping, transmission of motion in warping, designing of sizing machine, kinetics of sley, sley eccentricity, designing concept of tappet, different pick insertion systems, working of various stop motion.

Syllabus for Post Prashikshak (Non Edible Oil and Soap) and Prashikshak (Match and Agarbatti)

Chemical Engineering

PAPER-II

(a) Material and Energy Balance

Gas law, material balance without chemical reactions, material balance with chemical reactions, recycle/ bypass/ purge calculations, combustion of solid/liquid/gaseous fuels, energy balance calculations, heat of reaction, adiabatic flame temperature.

(b) Chemical Engineering Thermodynamics

Laws of thermodynamics, PVT relationship for pure components and mixture, Maxwells relations, Fugacity, activity and chemical potential, vapor liquid equilibria for ideal/non-ideal, single and multi component systems. Criteria for chemical reaction equilibrium, equilibrium constant and equilibrium conversions, heat engines, heat pumps, refrigeration and related cycles.

(c) Chemical Reaction Engineering

Molecularity and order of reactions, theories of reaction mechanism, kinetics of homogeneous reactions and interpretation of kinetic data. Ideal flow reactors(batch, mixed, plug flow) and their performance equations, series and parallel reactions, multiple reactor system, temperature and pressure effects. Heterogeneous reactions, catalytic and non-catalytic reactions, gas-solid and gas-liquid reactions, effectiveness factor, non isothermal reactors and reactor stability.

(d) Chemical Technology

Wood based chemicals, pulp and paper, sugar industry, edible oils extraction, soaps and detergents, biogas, coal and coal chemical, petroleum refining, (Atmospheric distillation/cracking/reforming), polyethylene's (LDPE/ HDPE/ LLDPE), PVC, Polystyrene, ammonia manufacture, cement and lime industries, paints and varnishes, glass and ceramics, alcohol and antibiotics, nitrogenous and phosphatic fertilizers.

(e) Environmental Pollution Monitoring & Control

Safety, ecology and environment, sources of pollutants in air and water, green house effect, ozone layer depletion, acid rain. Micrometeorology and dispersion of pollutants in environment, water quality index (WQI), air quality index (AQI), measurement techniques of pollutant levels and their control strategies. Solid wastes, their hazards and disposal techniques, Design and performance analysis of pollution control equipment, fire and explosion hazards, HAZOP and HAZAN, disaster management, environment protection acts.

(f) Process Engineering Economics

Fixed and working capital, cost estimation and comparison of alternatives. Net present value, pay back analysis. IRR, depreciation, taxes and insurance, break even point, PERT and CPM, profit and loss account, balance sheet and financial statement. Plant location/and plant layout including piping.

Syllabus for Post Prashikshak (Blacksmithy and Carpentry)

MECHANICAL ENGG.

PAPER -II

1. Thermodynamics: Thermodynamic Systems and Processes, Properties of Pure Substances, Concepts and Applications of Zeroth, First and Second Law of Thermodynamics, Entropy, Availability and Irreversibility, detailed Analysis of Thermodynamic Cycles, Ideal and Real gases, Fuels and Combustion.

2. Fluid Mechanics: Basic Concepts and Properties of Fluids, Manometry, Fluid Statics, Buoyancy, Equations of Motion, Bernoulli's Equation and Applications, Viscous Flow of incompressible fluids, Laminar and turbulent flows, Flow through pipes and head losses in Pipes, Isentropic and Adiabatic Flows, Normal Shock Waves.

3. Heat Transfer: Modes of Heat Transfer, Steady and unsteady heat Conduction, Themocouple time constant, critical thickness of insulation, Heat Transfer from Fins, Momentum and energy Equations for Boundary Layer flow on a Flat Plate. Free and Forced convection Radiative heat transfer, Stefan-Boltzmann law, Shape Factor, Black and Grey Body radiation, heat exchanger, Boiling and Condensation, Heat Exchanger Performance Analysis, LMTD and NTU-Effectiveness Methods.

4. Energy Conversion: SI and CI engines, Performance Characteristics and Testing of IC Engines, Fuels, Combustion Phenomena in S! and CI Engines, Carburetion and Fuel Injection Systems, Emission and Emission Control. Reciprocating and Rotary Pumps, Pelton wheels, Francis and Kaplan Turbines, velocity Diagrams, Impulse and Reaction Principles, Steam and Gas Turbines, Rankine and Brayton Cycles with regeneration and reheat, High Pressure Boilers Drafts, Condensers. Unconventiona! Power Systems Including Nuclear, MHD, Biomass, Wind and Tidal Systems. Utilization of Solar Energy, Reciprocaing and Rotary Compressor; Theory and applications, Theory of Propulsions, Pulsejet and Ramjet Engines.

5. Environmental Control: Vapour, Compression, Vapour Absorption, Steam jet and Air Refrigeration Systems, Properties of Refrigerant and their Nomenclature, Psychrometric Properties and Proceses, Psychrometric Relations, Use of Psychrometric chart, Load Estimation, Supply Air Conditions, Sensible Heat Factor, Air Conditioning; System Layout, Comfort Chart, Comfort and Industrial Air Conditioning.

Syllabus for Post Prashikshak (Leather)

Leather Technology

PAPER-II

UNIT-I

ANALYSIS OF WATER AND DIFFERENT CHEMICALS USED FOR MANUFACTRING OF LEATHER

Analysis of water: Type of water — principle of analytical method employed in analysis of water effect of hardness of water on various processes in leather manufacture softening of water.

Water Analysis: Temporary hardness, Permanent hardness, Total hardness, Chloride content, Sulphate content, Iron content.

Analysis of Various Chemicals and Auxiliaries used in Leather Processing: Analysis of common salt, Analysis of lime-available lime, Total bases, Analysis of sodium sulphide, Aluminum salt, Deliming agents, Bates, Neutralizing agents. Oils and Fats, sulfated oils, soap, fat liquors and other auxiliaries like resin binders, wax emulsions etc.

Analysis of Liquors of beam House Processes: Soak liquor, Analysis of used lime liquors-lime, sodium sulphide, salt content and Analysis of pickle liquor.

Analysis of Tanning Agent: Vegetable tanning materials and extracts, chrome extracts and liquors, zirconium and Aluminum Tanning agent, formaldehyde, Analysis of bate, Analysis of oils, moisture, acid value, saponification value, iodine value, unsaponifiables, Analysis of sulphate oils-moisture, pH, acid value, total alkalinity organically combined $S0_3$, Na groups.

UNIT-II

PHYSICAL, CHEMICAL AND INSTIRUMENT ANALYSIS OF LEATHER AND QUALITY CONTROL OF LEATHER

Chemical analysis of pelts and Leathers: Principles and

methods of analysis of limed and pickled pelt, chemical testing of vegetable tanned/chrome tanned/aluminum tanned/zirconium tanned/ formaldehyde tanned, combination tanned leathers.

Physical Testing of Leather: Sampling position for physical testing of leather. Different methods employ for physical testing of leather. Principle involved in Static and Dynamic methods of non destructive testing of leathers. Different methods in testing of colour fastness of leathers.

Standards and quality Control: Quality control in leather processing, Rectification of defects in hides, Skin and Leathers, control of yield, colour and finish of leather etc. Physical and chemical characteristics (standard specifications) of various types of leathers.

Instrument Analysis: Potentiometry, non-aqueous titrations, conductometry chromatography, spectrophotometry and colorimertry, ion-exchange resins, electrophoresis. Principles and their application analysis.

UNIT-III

TANNERY POLUTION AND TREATMENT

Pollution: Types of water pollution, physical, chemical, physiological and biological pollutants, Pollution effects of land ground after, surface water, aquatic life and sea.

Tannery Effluents: Types of tannery effluents, characteristics of effluents from Beam House Process, tan yard process and finishing yard process- Estimation of OD, BOD, COD, heavy metals(Ca, Cr, Pb and Hg) and total dissolved solids in waste water.

Primary treatments: Waste water drainage and collection system in tanneries, screens, equalization of waste water, primary treatment unit.

Secondary Treatment Systems: Lagoon treatment, aeration systems, trickling filter, design criteria, Biotechnology in effluent and disposals.

Effluent Disposal: Types of effluent disposal, standards and specification Indian Standards, specification for industrial effluent discharge.

Water for Tanning: Water for tanning process, recovery and reuse of water in tanning Industry, utilization of treated effluents.

Solid Waste Management: Solid wastes from tanneries origin and disposal, utilization sludge disposal from treatment system.

UNIT-IV

LEATHER TRADE ENGINEERING

Clutch mechanism, crank-slide and straight motion and lever mechanism and development of tannery machines.

Balancing and Vibration - their application in high speed slicking action for helically bladed cylinders, Bush, ball, roller and ring oil bearings, cam, springs and their application and function in tannery machines.

Development of hydraulic and pneumatic steering mechanisms accessories and control applied to tannery machines, air compressors, dust control equipment, blowers, etc. Automatic controls and their application in all Instruments, drying mechanisms and different types of dryers.

Detailed study of Beam-house, tanning and finishing machines, their description, construction with sketch, selection, Foundation and Erection of machinery. Latest development of leather processing vessels Internal transport, safety precautions, power, water and steam distribution, drainage and disposal in tanneries.

Maintenance of tannery buildings: Electrical, steam and water lines, tanning machinery, routing prevent maintenance, automatic and mechanization of tanneries.

UNIT-V

LEATHER PRODUCT TECHNOLOGY AND COMPUTER AIDED DESIGN

OVERVIEW: Classification of leather Goods & Garments. Selection of materials Grading and assorting of Leathers for Leather Goods & Garments. Property Requirement for Leather and Lining materials, Accessories for leather Goods and garments.

CUTTING: Hand and Machine Cutting, Pattern interlocking, various types of assembly Techniques, skiving, splitting, folding, Sewing Quality Control measures in Leather products manufacture.

Machinery needs for leather goods manufacture.

Organization, Classification of leather based sports goods.

Anatomy of human foot, Function of the foot, Foot comfort and Common foot abnormalities, Foot and Last measurement, Shoe sizing system and fittings. Designing and pattern making, Different types of footwear, Various components of footwear, Basics concepts of design and pattern cutting, Grading methods, Various allowances, Applications of computer aid designing, Materials of leather products-Selection of leather and non-leather materials for different components of footwear and garments.

Computer aided design, CAD, CPU, Data storage, Input/output devices, Function of CPU, Main memory and backup storage devices, Selection of Input/output devices, Operating system, Application of software for Footwear.

सचिव